मूल्य-20

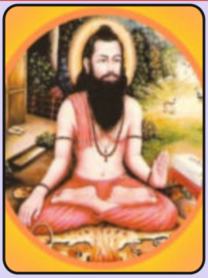

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 118, अंकः 04, अप्रैल-2025 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

जांगिड समाज के युवाओं की बौद्धिक क्षमता, कार्यकुशलता प्रतिभा, दक्षता, कला- कौशल और शिल्प कला का विश्व में कोई सानी नहीं है।

लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिरला

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह, मुण्डका दिल्ली में 14 अप्रैल को आयोजित किया गया और इस समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड,पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष, सविता शर्मा, विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के अध्यक्ष गंगादीन जांगिड, महामंत्री सांवरमल जांगिड, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाईगर और पूर्व अध्यक्ष, श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा, अयोध्या में बनाए गए भगवान श्री रामलला के मन्दिर का, प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित करते हुए।

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

पार्वती जांगिड - सुथार ने विश्व की 100 प्रख्यात महिलाओं में अपना नाम शामिल करवाकर समाज को गौरवान्वित किया। उनकी उपलब्धियों की एक झलक।

महासभा की कार्यकारणी के 14 अप्रैल को, मुण्डका में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह की झलकियां, कैमरे की एक नजर में।

महासभा की कार्यकारणी के 14 अप्रैल को, मुण्डका में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह की झलकियां, कैमरे की एक नजर में।

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड''	-	09844026161
महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड''	-	09414003411
सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड''	-	09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते है। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

02. पार्वती जांगिड-सुथार ने विश्व की 100.....
03. महासभा की कार्यकारिणी के 14 अप्रैल की चित्रा.
07. सम्पादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. जांगिड समाजक ने अपनी बौद्धिक क्षमता.....
16. पार्वती जांगिड सुथार ने विश्व के 120 देशों..
20. विश्व का सबसे बड़ा महाप्रसाद मां देवी...
23. शपथ ग्रहण समारोह-महिला प्रको0 प्र0स0राज0-
25. युवा वैज्ञानिक विकास धामू को आसियन देशों..
27. हिसार के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ.नरेश जांगिड....
29. बाड़मेर जिले का, रावतमल जांगिड इसरों में..
30. गांव खुर्रम मे 70 लाख रूपये की लागत से..
31. मकराना मे फाागोत्सव व फूलडोल कार्यक्रम...
32. समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा...
33. रींगस मे शपथ ग्रहण समारोह......
34. महिला दिवस, महिलाओं को जागरूक करने...
35. श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी, पहाड़गंज के चुनाव 15 जून को होगें।
35. चुनाव अधिसूचना,जिलाध्यक्ष पद करौली, टोंक...
36. मां की भावनाओं को कविता के माध्यम....
37. उ0प्र0-जां0ब्रा0महासभा द्वारा युवाओं का......
38. प्रधान रामपाल शर्मा ने 30 मार्च का ब्यावर...
39. राजस्थान के राज्यपाल ने सोनल जांगिड के....
40. भगवान परशुराम जयंती की अनन्त हार्दिक शुभ.
41. महासभा के प्लेटिनम सदस्य....
47. महासभा के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य
47. महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रू0 के रजत सदस्य
48. महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची..
57. वैवाहिक विज्ञापन..
58. महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची..
60. राजस्थान के 6 जिलों के चुनाव सम्पन्न...
61. शोक संन्देश....श्रीमान राजेन्द्र कुमार शर्मा...

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)
भारत व्हील
शर्मा एण्ड कम्पनी
भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही है, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

इस मानव जीवन में आत्मसंतोष से बढ़कर कोई भी धन नहीं है

सबसे पहले तो मैं, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा 14 अप्रैल को महासभा की नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों और उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ और महिला प्रकोष्ठ, कानूनी प्रकोष्ठ और आध्यात्मिक प्रकोष्ठ सहित, जिन महानुभावों को, उनकी दक्षता और योग्यता को ध्यान में रखते हुए ही, जो भी दायित्व सौंपा गया है, उस दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए, प्रधान जी, के विश्वास पर खरा उतरते हुए महासभा को नई दिशा और दशा प्रदान करने का स्तुत्य प्रयास करेंगे ताकि समाज के पुरोधाओं के सपनों को साकार करने के साथ ही समाज की प्रगति के नए आयाम स्थापित किए जा सकें।

आज हम बात कर रहे हैं जीवन में, आत्मसंतोष और मानसिक शांति कैसे प्राप्त हो सकती है। **आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में, मनुष्य भौतिकवादी लिप्साओं और आंकाक्षाओं का दास बनता जा रहा है और नैतिक मूल्यों का परित्याग करके, मानसिक सुख शांति, सन्तोष और आनंद से वंचित होकर शान्ति की तलाश में दर-दर की ठोकरें खा रहा है** और जिस दिन उस व्यक्ति को यह समझ में आ जाएगा कि शान्ति और आनन्द और सच्चा सुख बाहरी दिखावे और आडम्बर में नहीं है, अपितु वह तो भावनात्मक रूप से भगवान के साथ सीधा तादात्म्य स्थापित करने से ही, अपने अन्तःकरण में ही पैदा होता है और उसके पश्चात् उस मनुष्य के जीवन का मनोरथ पूर्ण हो जाएगा। सन्त कबीर दास जी कहते हैं कि-

हीरे समान जीवन अनमोल है, तूं क्यों इसे व्यर्थ गवाय।

आज के इस आधुनिक युग में परिस्थितियां निरन्तर बदलती जा रही हैं। आज माता-पिता और बच्चों के बीच **स्वार्थ और मतलब की दीवार खिंच गई है और यही कारण है कि आज वृद्ध आश्रमों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। इसीलिए आज ''मतलब''** शब्द इतना भारी हो गया है, कि आपका मतलब निकल गया तो, बड़े से बड़ा रिश्ता भी **हल्का** पड़ जाता है और इसका प्रमुख कारण यही है कि आज कल अधिकतर युवाओं ने, पैसे कमाने की इस अंधी दौड़ में अपने चरित्र और नैतिकता रुपी मणियों को विस्मृत करके, वह वैभव और विलासिता का जीवन व्यतीत करने में ही विश्वास रखते हैं और **यह अवधारणा उनमें इसलिए पैदा हो रही है कि उनमें असन्तोष की भावना निरन्तर बलवती होती जा रही है और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगा है।**

आज का युवा, अशांति के झूले पर झुलते हुए शान्ति की आत्मानुभूति हासिल करने के लिए निराशा के भंवर में फंसकर समुद्र में गोते लगाकर, मोती ढूंढने का प्रयास कर रहा है। लेकिन इससे पहले उसको, अशान्ति और असन्तोष के इस चक्रव्यूह को तोड़कर, अपने आचरण, चरित्र, चेतना और आत्मा को जागृत करने और इसे पवित्र बनाने की तरफ ध्यान देना चाहिए। यदि आचरण शुद्ध होगा, तो सहज रूप से ही जीवन में सद्मार्ग प्राप्त होगा। **अगर चरित्र में पवित्रता होगी तो जीवन सार्थक होगा और चेतना पवित्र होगी तो मन में शांति मिलेगी। जीवन में आत्मसंतोष के पैदा होने से, एक व्यक्ति निराशा के भंवर में फंसकर अपने विवेक पर प्रश्न चिह्न लगाना शुरू कर देता है।**

यह अकाट्य सत्य है कि जीवन में बाहरी वस्तुएँ कभी भी संतोष नहीं देती है, जबकि भीतरी संपन्नता और उत्कृष्ट आचरण ही, संतोष की जननी है । इस जीवन में वह मनुष्य परम भाग्यशाली है, जिस पर परमेश्वर सर्वव्यापी परमात्मा की अनुकम्पा की बरसात होती रहती है और

ऐसे व्यक्ति की धन सम्बन्धी लालसा धीरे-धीरे पूरी तरह से समाप्त हो जाती है और धन के प्रति उसका मोह न होने के कारण ही धीरे-धीरे उसके सभी निकट सम्बन्धी, रिश्तेदार और यहां तक की उसकी सन्तान भी उसका साथ छोड़ देती है।

इसीलिए जीवन में भगवत्कृपा ही, वह रामबाण है, जिसका रसास्वादन करने से ही **सन्तोष परम धनम** का रास्ता प्रशस्त होता है और जब तक वह भक्त पूरी तरह से संतोष को आत्मसात नहीं कर लेता है, तब तक वह हताशा और निराशा के गर्त में ही डूबा रहता है। लेकिन बार-बार असफल होने के वावजूद भी वह आशा और उम्मीद की किरण कभी नहीं छोड़ता है। इसीलिए कहा गया है कि **भगवान अपने उस भक्त का रास्ता खुद ही प्रशस्त करतें हैं और उसके अन्तःकरण को संतों का अनुसरण करने की प्रेरणा भी वह कृपालु ही देता है** और इस दौरान जो भी विघ्न, व्यवधान और बाधाएं आती हैं, उन्हें भगवान अपने आप विलुप्त कर देता है। परमात्मा सर्वेश्वर भगवान सभी के लिए एक समान भाव रखते हैं। **हां इतना अवश्य है कि वह अपने भक्त की भावनाओं को समझते हुए ही उनके दुःख दारिद्रय, दीनता और कष्टों का निवारण तत्परता से करते हैं और ऐसे भक्त का जीवन भगवान के आशीर्वाद से हीरे के समान प्रकाशमान और जाज्वल्यमान हो उठता है।**

इसीलिए तो कहा गया है कि, 'भगवान और एक भक्त का सच्चा रिश्ता वहीं से शुरू होता है, जहां एक भक्त सदैव ही अपने आप को प्रभु का दास समझने लगता है और इस उदात्त भावना का अन्तःकरण में बीजोंरोपण प्रभू की असीम सदकृपा से ही होता है और मै तो यही समझता हूं कि यह अनुकम्पा एक प्रकार से उनकी उदारता और महान देवत्व का ही प्रसाद है। प्रभु की असीम कृपा और सन्तोष और मानसिक शांति प्राप्त करने का सबसे आसान तरीका है अपने आपको को दीन-हीन समझकर पूर्ण रूप से समर्पित कर देना और वास्तव में वही आस्थावान भक्त ही, वास्तव में प्रभु की कृपा का वास्तविक रूप से अधिकारी भी है।

इसलिए जीवन में जो भक्त भगवत्कृपा और सन्तोष को जीवन में, वास्तविक रूप में हासिल करना चाहता हैं तो उस भक्त में विनयशीलता, करुणा और दीनता के साथ-साथ अंहभाव भी लेशमात्र भी नहीं होना चाहिए। इसीलिए कहा गया है कि- **विनयशीलता से प्रभुता मिले, अंहभाव से प्रभु से दूरी।** उस भक्त पर सर्वेश्वर दयाल ईश्वर की कृपा विशेष रूप से होती है, जिनमें, दीनता और विनम्रता के भाव के साथ-साथ ही वह अंहकार के भाव से भी पूरी तरह से मुक्त हो गया है और उसने भक्ति रूपी मंत्र को आत्मसात कर लिया है। **भगवान के चरणों में जीवन रूपी डोर को समर्पित करने से ही आत्म सन्तोष और शान्ति प्राप्त होने के पश्चात् उसके द्वारा आध्यात्मिकता के सागर में डूबकी लगाने से परमानन्द की अनुभूति होगी।**

निराकार सर्वव्यापी परमात्मा अनन्त, असीम और एक ही है और वह इस सृष्टि के कण-कण में भी परिव्याप्त है। लेकिन उसको पहचानने के लिए अन्तःकरण में आत्मिक अनूभूति होना आवश्यक है, इसीलिए कहा गया है कि **प्रभू तिन पाईया गहरे पानी पैठ** भगवान को पाने के लिए आध्यात्मिकता रुपी सागर के गहरे पानी में डूबकी लगानी पड़ती है और जो श्रद्धालु भक्त अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए पूजा अर्चना करता है। वह भवसागर से पार हो ही जाता है। **कृपा सिन्धु, सर्वशक्तिमान, सर्वेश्वर, करूणानिधान भगवान केवल मात्र प्रेम का ही भूखा है। जो श्रद्धालु अन्तःकरण से भगवान की पूजा-अर्चना करता है, उसके जीवन का अज्ञान रूपी तिमिर नष्ट हो जाता है।** और उसके जीवन में सकारात्मकता का उदय होने से आत्मविश्वास और सन्तोष की भावना उसमें स्वयं ही पैदा होगी और परोपकार और सन्तोष की भावना का विकास तो, केवल मात्र दीनता और विनम्रता तथा सहनशीलता को आत्मसात करने से ही सम्भव हो सकता है और परमात्मा अपने भक्त की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए ही उसे अपना आशीर्वाद देकर उपकृत करते हैं ।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

प्रधान की कलम से ---

प्रधान, रामपाल शर्मा

सबसे पहले मैं, महासभा रुपी परिवार को, नवरात्रों, राम नवमी, हनुमान जयंती, भगवान महावीर जयंती, भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर जयंती और भगवान परशुराम जयंती की बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और इसके साथ ही, महासभा की कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह भी 14 अप्रैल को मुण्डका, में आयोजित किया गया और इस शपथ ग्रहण समारोह में, जिन महानुभावों को शपथ दिलवाकर, जो भी दायित्व सौंपा गया है, उन सभी को मैं, मेरी, टीम का हिस्सा बनने पर अन्त:करण से, हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं । एक कहावत आम प्रचलित है कि, **अकेला चना कभी भी भाड़ नहीं फोड़ सकता है और इसीलिए हम सभी मिलकर और एकजुट होकर, इस महायज्ञ में अपनी आहुति डालते हुए, महासभा को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का स्तुत्य और अभिनव प्रयास करेंगे।** मुझे विश्वास् है कि आप लोगों को जो भी दायित्व सौंपा गया है, उसको एक सजग प्रहरी बनकर, उसका सत्यनिष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करते हुए, समाज को एक नई दशा-दिशा देने के साथ ही नए आयाम प्रदान करने के लिए सदैव ही प्रयत्नशील रहते हुए संकल्पबद्ध होकर नि:स्वार्थ भाव से एक नया संकल्प लेकर आगे बढ़ने का काम करेंगे।

पार्वती जांगिड-सुथार की मानवीय सेवा का, अद्वितीय उदाहरण आप सबके सामने है । जिसने पिता की मृत्यु के उपरांत अनेक झंझावातों का सामना किया और आणथक परेशानी के बावजूद भी, वह कभी भी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हुई और उसने अपना मानव सेवा का मिशन जारी रखा और आज भी उसका, मानव सेवा का मिशन जारी है। वह भारतीय सेना में अवैतनिक रूप से कर्नल के मानद पद पर काम कर रही है और **समाज की इस बेटी का नाम हार्वर्ड 100 के द्वारा 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्व की 100 सर्वश्रेष्ठ महिलाओं में शामिल किया गया है और वह भी इतनी छोटी सी आयु में**, इस स्वर्णिम उपलब्धि के लिए वह निश्चित रूप से बधाई की पात्र है। पार्वती जांगिड ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनूठी मिसाल कायम करते हुए समाज का नाम गौरवान्वित किया है और उसने जो, ख्याति अर्जित की है, वह अनूठी उपलब्धि, 100-200 करोड़ रुपए खर्च करके भी हासिल नहीं की जा सकती है। महासभा परिवार की तरफ से उनको कोटि-कोटि अभिनन्दन और अन्त:करण से हार्दिक बधाई।

राम जिनका नाम है, अयोध्या जिनका धाम है।
ऐसे कृपालु रघुनंदन आपको हमारा प्रणाम है।।

मेरी, यह हार्दिक इच्छा है कि, **सबके राम, मन में राम, भगवान श्री राम की अयोध्या नगरी में समाज के एक भव्य और सुंदर भवन का निर्माण किया जाए** ताकि जो भी समाज का श्रद्धालु, अयोध्या में भगवान श्री रामलला के दर्शन करने के लिए जाए, उसको ठहरने के लिए उचित स्थान हासिल हो सके। इस परियोजना पर महासभा द्वारा काम शुरू कर दिया गया है और समाज के भामाशाह, इस महापुण्य के कार्य में स्वैच्छिक दान देने के लिए आगे आए हैं।

मेरा इस महासभा रुपी परिवार के सभी सदस्यों से और विशेषकर कार्यकारिणी के सदस्यों से विनम्र अनुरोध है कि पुरानी बातों को भूलकर, समाज हित के कार्य बिना किसी की परवाह किए बिना अपने विवेक और बुद्धि के द्वारा करवाने का भरसक प्रयास करें। मैं आप सबके सहयोग से ही पुन: महासभा का

प्रधान बना हूं और पूर्वकाल में भी मुझे, आपका अनवरत सहयोग मिलता रहा है और आपकी सहभागिता और सकारात्मक सोच के परिणाम स्वरूप ही, इस समाज की सुगंध की महक चारों तरफ फैलेगी। मैं कार्यकारिणी के सदस्यों से एक और विनम्र अनुरोध करना चाहता हूं कि **आजकल व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी पर कई बहादुर और अति उत्साही लोग, अपनी भडास निकालने के लिए, निराधार और तथ्यहीन आलोचना करके अपनी नकारात्मक सोच के कारण, महासभा के निर्णयों पर अनर्गल आरोप लगाते हुए ऊंगली उठाते रहते हैं। आप, ऐसे कुत्सित प्रवृत्ति और नकारात्मक सोच रखने वाले महानुभावों के, मायाजाल में फंसकर अपने भविष्य को खराब करने का कुत्सित प्रयास ना करें।** व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के ऐसे लोग समाज के हित की अपेक्षा अपने नीजि स्वार्थों की पूर्ति करना चाहते हैं और उनके इस कुत्सित प्रयास से समाज का कितना भी अहित हो जाए, इसकी उनको कोई भी परवाह नहीं है। **इसलिए मेरा यही विनम्र अनुरोध है कि आपसे अनुरोध है कि अपने शब्दों की मर्यादा और गरिमा को बनाए रखें।** ऐसे नकारात्मक सोच रखने वाले वीर पराक्रमी योद्धाओं को कभी भी आत्मसंतोष और संतुष्टि नहीं मिलेगी और क्या उन्होंने कभी भी सोचा है कि उनके इन प्रयासों से युवाओं और बच्चों के भविष्य पर क्या असर होगा।

किसी की आलोचना करना बहुत ही आसान है, लेकिन उस जैसा बनना बहुत ही मुश्किल है। भगवान श्री राम का उदाहरण आप सबके सामने है, उसको भी अपनी प्रजा की बातें सुननी पड़ी थी। भगवान श्री राम के साथ मां कैकेई ने कैसा व्यवहार किया, यह दुनियां के सामने एक ज्वलंत उदाहरण है। **लेकिन भगवान श्री राम के हृदय में अपनी मां कैकेई के प्रति कभी भी दुर्भावना और द्वेष की भावना पैदा नहीं हुई और अन्त तक, राम के हृदय में अपनी मां कैकेई के प्रति वहीं स्नेह, असीम प्यार और सम्मान तथा ममता की भावना बनी रही।** मेरा कार्यकारिणी के सभी सदस्यों से एक ही अनुनय-विनय और अनुरोध है, कि आप अपने आपसी मतभेद भूलाकर, समाज हित में निर्णय लेने के साथ ही, **यहां से एक संकल्प लेकर भी जाएं कि जहां तक संभव हो सके अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करें और समाज के प्रतिभावान और गरीब बच्चों की एक दो या तीन व्यक्ति मिलकर सहायता करें।** अब मैं, अपने बारे में बताता हूं कि मैंने जिंदगी में कभी भी प्रधान बनने के बारे में सोचा नहीं था, **लेकिन परमात्मा ने मुझे समाज का, मुख्य सेवक बनाकर आपकी, सेवा करने का स्वर्णिम मौका दिया है। मैं तो, सिर्फ परमात्मा का दास हूं और इस दास को समाज सेवा करने का यह मौका हरि इच्छा से ही मिला है। इसीलिए कहा गया है कि -**

जो राम रची राखा सो होई और जीवन में इसी की प्रधानता है।

अन्त में, मैं नव गठित कार्यकारिणी के सभी महानुभावों के परिवारों के सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूं और आगे हम सभी मिलकर आगामी तीन वर्षों के दौरान इस समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए काम करेंगे। 'आज आप यहां से यह एक संकल्प लेकर जाएं कि समाज सेवा करने के लिए, अपने नीजि स्वार्थों का परित्याग करके, समाज हित में, जो भी बन पड़े वह करें, क्योंकि युवा पीढ़ी आपकी तरफ बड़ी उम्मीद और आशा भरी निगाहों से टकटकी लगाए हुए देख रही है।

मैं, पुनः व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के बहादुर सिपाहियों को भी स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि अपनी नकारात्मक सोच का परित्याग करो और अपने समय का सदुपयोग, अपनी मधुर वाणी के माध्यम से, समाज में प्रेम, एकता, भाईचारा, सौहार्द और आपसी सद्भाव पैदा करने में करें, इससे आपको जो मानसिक संतुष्टि मिलेगी उसकी परिकल्पना सहज रूप से नहीं की जा सकती है। विपुल धन्यवाद।............ **प्रधान, रामपाल शर्मा**

जांगिड समाज ने अपनी बौद्धिक क्षमता और कला- कौशल के कारण विश्व में परचम फहराया है।

लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिरला।

लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने जांगिड समाज के युवाओं का आह्वान किया कि वह आने वाले समय में अपनी बौद्धिक क्षमता, कार्यकुशलता, प्रतिभा और शिल्पकला तथा शिक्षा के माध्यम से भगवान विश्वकर्मा के विचारों को आत्मसात करते हुए नए-नए अनुसंधान और आविष्कार करते हुए, भारत देश का नाम विश्व में गौरवान्वित करें। उन्होंने कहा कि जांगिड समाज के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और शिल्पकला बेजोड़ है, जिसका कोई भी सानी नहीं है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने, यह उद्गार 14 अप्रैल को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की कार्यकारणी को मुण्डका, दिल्ली में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में, कार्यकारिणी के प्रमुख पदाधिकारियों को शपथ दिलवाने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ने ही इस सृष्टि का निर्माण किया है और विदेशी आक्रांताओं मुगलों और अंग्रेजों ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत और इतिहास को समाप्त करने का कुत्सित प्रयास किया, लेकिन आप जैसे लोगों के अदम्य साहस और आत्मविश्वास और देश के प्रति निष्ठा और समर्पण की भावना तथा देश भक्ति के कारण ही वह विदेशी आक्रांता भारत की विरासत को समाप्त करने में सफल नहीं हो सके।

उन्होंने जांगिड समाज के देश की उन्नति में दिए गए अमूल्य योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस समाज ने, भगवान विश्वकर्मा के विचारों, कला-कौशल और भारत की सांस्कृतिक विरासत को आत्मसात करते हुए, अपनी बौद्धिक क्षमता और नए-नए आविष्कारों और अनुसंधानों के माध्यम से, भारत देश का नाम विश्व में गौरवान्वित किया है और अभूतपूर्व तरक्की की एक नई मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि जांगिड समाज के लोग, भगवान विश्वकर्मा के सिद्धांतों और कला कौशल को आत्मसात करते हुए, इस देश को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। **उन्होंने जांगिड समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह सृष्टि के निर्माण कर्ता, भगवान विश्वकर्मा के विचारों, कला कौशल को और अपनी प्रतिभा के बल पर युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का स्तुत्य प्रयास करें और उन्होंने अपने कला कौशल और वैज्ञानिक सोच के कारण ही भगवान विश्वकर्मा के कला और विज्ञान के ज्ञान को आत्मसात करते हुए जांगिड समाज ने विश्व में अपनी प्रतिभा परचम लहराया है।**

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत दुनिया का नेतृत्व, अपनी शिल्पकला, बौद्धिक क्षमता और दूर दृष्टि का परिचय देते हुए ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि यद्यपि आज मशीनी युग है, लेकिन आज भी शिल्पकला, बौद्धिक क्षमता में जांगिड ब्राह्मण समाज का कोई मुकाबला नही है, उनकी कला अद्वितीय और बेमिसाल है और दुनिया में एक शिल्पकार के रूप में जांगिड समाज का जो योगदान है, उसको कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है, क्योंकि जांगिड समाज के युवाओं की बौद्धिक क्षमता का कोई भी सानी नहीं है और **इस समाज के युवाओं ने इनोवेशन और बेजोड़ शिल्पकला के माध्यम से कौशल और कुशलता हासिल की है और इस समाज ने दुनिया में शिल्पकार के रूप में अपना नाम कमाया है। मैं, आपके इस योगदान को भुला नहीं सकता हूं। इस समाज के युवाओं को नए-नए इनोवेशन का उपयोग करते हुए देश हित के लिए नए-नए अविष्कार करने चाहिए।**

लोकसभा अध्यक्ष ने समाज के **बुद्धिजीवी लोगों से आग्रह किया कि वह समाज के विशेष सम्मेलन का आयोजन करके, युवाओं से संवाद और चर्चा करें और उन्हें बेहतर शिक्षा प्रदान करें।**

बेटा-बेटी को अच्छी शिक्षा प्रदान करें ताकि वह डॉक्टर, इंजीनियर और प्रोफेसर बनकर समाज और देश का नाम गौरवान्वित कर सके। 'उन्होंने स्वीकार किया कि इस समाज के युवाओं में बौद्धिक क्षमता की कोई भी कमी नहीं है और इस बौद्धिक क्षमता का प्रयोग शिक्षा के मंदिरों का निर्माण करके, बेटा और बेटी को शिक्षित करके और समाज में परिव्याप्त कुरितियों को समाप्त करके किया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि सामाजिक विरासत और आधुनिकता में आपसी सामंजस्य और तादात्म्य स्थापित करके, देश और समाज को आगे बढ़ने का अभिनव प्रयास करें।

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड और कोषाध्यक्ष अनिल जांगिड (अरूण जांगिड) तथा मुख्य चुनाव अधिकारी, प्रवीण शर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई और नव गठित कार्यकारिणी में शामिल सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दी ।

लोकसभा अध्यक्ष ने, संविधान निर्माता, गरीबों के मसीहा भारत रत्न, महान शिक्षाविद और समाज सुधारक, बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर को उनके जन्मदिवस पर अपने भावभीने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि, समरसता और सामाजिक समानता के पक्षधर और सामाजिक जीवन के प्रणेता, डॉ. अम्बेडकर ने भारत के संविधान का निर्माण किया और यह संविधान ही इस भारत देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता है और भारत आज, विश्व का सबसे बड़ा संसदीय लोकतंत्रिक देश है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **वसुदेव कुटम्बकम और सर्वेभवन्तु सुखानी की उदात्त भावना का संदेश दिया है। जिससे देश सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है।**

ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि, जांगिड समाज में जो बौद्धिक क्षमता है और बेहतर संस्कार हैं, उसका उपयोग शिक्षा के प्रचार-प्रसार में किया जाना चाहिए और अपने बच्चों को और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को डॉक्टर, इंजीनियर और प्रोफेसर बनाने के लिए इस बौद्धिक क्षमता का उपयोग करें। उन्होंने सुझाव दिया कि प्राचीन विरासत और आधुनिक युग में हो रहे नए-नए अनुसंधानों में आपस में तादात्म्य स्थापित करते हुए, युवा इस देश का नेतृत्व करें। **उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि इस समाज से मेरा विशेष लगाव है और इससे पहले भी मैंने बहरोड़ में आयोजित महासभा के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था। इस समाज की आशातीत प्रगति के लिए एकजुटता का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए, उन्होंने कहा कि समाज और देश की उन्नति का मार्ग, युवाओं को आधुनिक शिक्षा प्रदान करके, उनको सक्षम बनाने से ही प्रशस्त हो सकता है।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, महासभा का पुनः निर्विरोध प्रधान बनाए जाने पर सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि **आपने मुझ पर जो भरोसा और विश्वास जताया है, उसके लिए हृदय से आभार और पहले कार्यकाल के दौरान आपकी महासभा में, जो सहभागिता रही है, उसके कारण ही इस समाज को आज, एक विशेष मुकाम हासिल हुआ है और आपकी सकारात्मक सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण की खुशबू चारों तरफ फैल रही है।** उन्होंने दोहराया कि बांकनेर स्कूल का जीर्णोद्धार भी प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और इसे एक मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा, इसके साथ ही भगवान श्रीराम की अयोध्या नगरी में, भी **समाज का एक सुंदर भवन बनाने के प्रोजेक्ट पर कार्य आरम्भ कर दिया गया है और इस बारे में दुबई के रहने वाले राधेश्याम जांगिड का बड़ा ही सकारात्मक दृष्टिकोण सामने आया है और इस महायज्ञ में उसने सबसे पहले दान देने की घोषणा की है और इसके साथ ही शिरोमणि महासभा दिल्ली के चेयरमैन लीलूराम जांगिड और दुबई से लालाराम जांगिड ने भी इस महापुण्य के कार्य में अपनी सहभागिता का भरोसा दिलाया है। इस अवसर पर दिल्ली के दीपक कुलरिया ने महासभा को 2 लाख 51 हजार रुपए देने की घोषणा की और**

फरीदाबाद के नरोत्तम लाल जांगिड ने महासभा का प्लेटेनियम सदस्य बनने के लिए एक लाख रुपए का चैक प्रधान रामपाल शर्मा को भेंट किया, और उदयपुर के देवेन्द्र शर्मा ने एक लाख रूपये नकद प्लेटिनम सदस्य बनने के लिए महामंत्री सांवरमल जांगिड को भेंट किए।

प्रधान ने कहा कि, महासभा के अनेक प्रकोष्ठों के गठन का कार्य अभी बाकी है, जिसमें मुण्डका भवन संचालन कमेटी, सतीमठ निर्माण कमेटी, अयोध्या में भवन निर्माण कमेटी शामिल हैं। उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह आपस में सामाजिक सौहार्द और एकता बनाए रखें क्योंकि **किसी भी समाज की प्रगति का रास्ता मजबूत संगठन और आपसी एकता से होकर ही जाता है। आप सभी समाज की मजबूती के लिए कंधे से कन्धा मिलाकर, और इस मामले में महिलाओं और विशेषकर युवाओं को आगे आना होगा, ताकि महासभा द्वारा प्रगति के नए आयाम स्थापित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए पिछली बातों को भूलकर, रचनात्मक सहयोग देने की नितांत आवश्यकता है और सकारात्मक दृष्टिकोण को आत्मसात करते हुए, समाज में परिवर्तन लाने के लिए मिलजुल कर आगे बढ़ते हुए प्रगति के नए आयाम स्थापित करें।** हम सभी मिलकर महासभा के संविधान का पालन करते हुए लोगों की आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगे और **मुझे विश्वास है कि आपका अनवरत सहयोग इस कार्यकाल के दौरान भी मुझे इसी प्रकार से सदैव ही मिलता रहेगा। मैं नवगठित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए हृदय की गहराइयों से उन सभी का आभार व्यक्त करता हूं।**

रामपाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और देश की प्रतिष्ठा की पताका विदेशों में भी फहराई है और इसके लिए उनको सदैव ही याद रखा जाएगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, **जिन्होंने शिल्पकारों के लिए विश्वकर्मा कल्याण योजना शुरू की है और इससे स्वरोजगार के अनेक अवसर पैदा हुए हैं** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की बेहतरीन कार्यक्षमता का उल्लेख करते हुए प्रधान ने कहा कि, जिस प्रकार से उन्होंने लोकसभा की गरिमा और संसदीय मर्यादाओं का संरक्षण किया है और अनुशासन बनाए रखते हुए लोकतंत्र को बनाए रखा है। वह एक अद्वितीय उदाहरण है।

जांगिड समाज की मांगों का उल्लेख करते हुए, प्रधान रामपाल शर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष से मांग की है कि, **1. सारे देश में 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा दिवस पर सरकारी अवकाश घोषित किया जाए और 2. दिल्ली में बनने वाले किसी भी औधौगिक क्षेत्र का नाम भगवान विश्वकर्मा के नाम पर रखा जाए और 3. इसके साथ ही दिल्ली में किसी भी सड़क का नाम भी भगवान विश्वकर्मा के नाम पर रखा गया जाए।**

महासभा के कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा कार्यकारिणी के अनेक सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए मनोनयन पत्र जारी किए गए हैं, जिनमें महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल और महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा शामिल हैं और आज कार्यकारिणी के अनेक महानुभावों को शपथ भी दिलवाई गई जिनमें महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष और उच्च स्तरीय समिति, कोर कमेटी समिति, संगठन मंत्री, मीडिया प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ सहित अनेक पदाधिकारियों को कार्यकारिणी में शपथ दिलवाकर, महासभा का दायित्व सौंपा गया है और इस श्रृंखला में महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सविता शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड, कोषाध्यक्ष अरुण जांगिड, सह-कोषाध्यक्ष राम किशन जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा, महासभा के खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गजेन्द्र जांगिड, कोर कमेटी के सदस्य प्रदीप शर्मा, प्रभुदयाल शर्मा और बजरंग लाल शर्मा, और इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र प्रदेश का प्रभारी चम्पालाल शर्मा, बुलढाणा, दिल्ली प्रदेश प्रभारी

मदन लाल जांगिड द्वारका, मध्यप्रदेश का प्रभारी रतनलाल लाडवा इंदौर और छतीसगढ़ का प्रदेश प्रभारी धर्मचंद शर्मा को भी शपथ दिलाई गई इसके अलावा आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्यपाल वत्स, सदस्य रामपाल शर्मा और सुखदेव जांगिड इन सभी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

प्रधान ने, सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि, आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप एक टीम के रूप में अपने उत्तरदायित्व का भलीभांति सत्यनिष्ठा और समर्पण तथा संकल्पित होकर ईमानदारी से निर्वहन करते हुए, जन अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगे और समाजहित को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय, महासभा द्वारा लिए जाते हैं उनको अक्षरश: लागू करवाने के साथ ही समाज उत्थान की योजनाओं के लागू करवाने में भी अपना अमूल्य योगदान देंगे और आपके विश्वास और भरोसे पर ही भविष्य में समाज में, एक नई क्रांति का उद्घोष किया जाएगा।

मुण्डका के भारतीय जनता पार्टी के विधायक गजेंद्र दराल ने, रामपाल शर्मा को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए कहा कि महासभा ने जिस प्रकार का भव्य मंदिर भवन मुण्डका में बनाया है वह शिप्लकला का बेहतर उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा कि आपके अनथक प्रयासों से ही मेरे आगे विधायक शब्द लग पाया है। **उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस इलाके का जन प्रतिनिधि होने के नाते, अगर मैं, आप लोगों की कुछ भी सेवा कर सकूं तो, यह निश्चित रूप से मेरा सौभाग्य होगा।** आज आपको लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का मार्गदर्शन मिल रहा है। आपने इस मुण्डका क्षेत्र के विकास के लिए, मेरा जो, समर्थन किया है, उसके लिए मै, आप सभी का ह्रदय से आभारी हूं और मै, आपको विश्वास दिलाता हूं कि, सदैव ही आपकी इसी प्रकार से सेवा में तत्पर रहूंगा।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने कहा कि **सदाशयता, विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने, महासभा के कार्यो में जिस प्रकार से पारदर्शिता बनाए रखते हुए लोगों का विश्वास हासिल किया। यही कारण है कि उनको 30 वर्ष पश्चात समाज के लोगों ने पुन: निर्विरोध निर्वाचित करके एक कीर्तिमान स्थापित किया है।** उन्होंने कहा कि रामपाल शर्मा ने महासभा भवन रुपी मन्दिर का निर्माण करवाकर न केवल समाज के उन पुरोधाओं के सपनों को साकार किया है अपितु यह धरोहर, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए भी एक वरदान सिद्ध होगी। कैलाश बरनेला ने कहा कि **मै, रामपाल शर्मा के सुखद कार्यकाल की मंगल कामना करते हुए आशा करता हूं कि उनके नेतृत्व में समाज नई ऊंचाइयों को छूने के साथ ही नए कीर्तिमान भी स्थापित करेगा और महासभा के इतिहास में एक नई इबारत लिखी जाएगी।** उन्होंने महासभा की कार्यकारी अध्यक्षा श्रीमती स्मिता जांगिड और मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष माया शर्मा देवास को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई ।

इस समारोह को, **दिल्ली पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष सुनील यादव, भगवान शिव की नगरी काशी विश्वनाथ से पार्षद हंसराज विश्वकर्मा और भाजपा इंदौर के स्वागताध्यक्ष घनश्याम काकानी ने भी सम्बोधित किया।** इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में गुड़गांव के उधोगपति पी.एल शास्त्री, महासभा के पूर्व कार्यकारी प्रधान फूल कुमार शर्मा, शिरोमणि सभा दिल्ली, के चेयरमैन लीलूराम शर्मा, फरीदाबाद के एडवोकेट नरोत्तम लाल जांगिड और आबकारी एवं कराधान विभाग के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त आर के केशवानिया, मध्य प्रदेश सभा, अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष, अशोक शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानूराम जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष जगतराम भदरेचा, राजस्थान सभा के

कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद शर्मा, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड, पंजाब प्रदेश सभा के अध्यक्ष गिरवर जांगिड, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा टाईगर और पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा, जांगिड ब्राह्मण पत्रिका के सम्पादक रामभगत शर्मा, जोधपुर के एडवोकेट पुखराज जांगिड, उच्च स्तरीय समिति, कोर कमेटी, कानूनी प्रकोष्ठ के सदस्य, अनुशासन समिति के सदस्य, प्रचार मंत्रियों, संगठन मंत्रियों, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष राहुल शर्मा, महासभा के मिशन डेढ़ साल के पूर्व प्रभारी रामजी लाल जांगिड, जयपुर से मनोहर लाल शर्मा, दूरदर्शन, बैंगलुरू से बाबूलाल लाल शर्मा, रमेश शर्मा, रवि शर्मा, बंगलौर से ही उधोगपति जगमोहन शर्मा और अमित शर्मा, बैंगलुरू से ही युवराज शर्मा, हर्ष शर्मा, गुड़गांव के लक्ष्मी नारायण शर्मा, कोर कमेटी के सदस्य सुरेन्द्र वत्स, पत्रकार, हरिराम जांगिड, नरेश शर्मा, हेमराज शर्मा, महेश शर्मा, गीतेश जांगिड और धीरज शर्मा, नाशिक से मोहनलाल दायमा, महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रोहिताश जांगिड और लक्ष्मी नारायण शर्मा, सीकर जिला महामंत्री राधेश्याम मांडण, जींद से सुल्तान आर्य, राधेश्याम रैनवाल सहित भारी संख्या में मातृशक्ति, जिनमें बैंगलुरू से पूनम शर्मा और दिल्ली महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुमन जांगिड और श्रीमती रुपा रानी शर्मा शामिल है।

महामंत्री सांवरमल जांगिड ने बताया कि महासभा की इस कार्यकारिणी में लगभग 700 सदस्यों को स्थान दिया गया है, जिसमें 116 संरक्षक, 255 उपाध्यक्ष, 32 मंत्री 176 संगठन मंत्री, 55 प्रचार मंत्री, 35 उच्च स्तरीय समिति के सदस्य, 11 कोर कमेटी के सदस्य, 10 राजनैतिक प्रकोष्ठ के सदस्य, 8 मीडिया प्रभारी, 10 विधि प्रकोष्ठ के सदस्य, 5 वित्तीय सलाहकार समिति के सदस्य और 7 अनुशासन समिति के सदस्य शामिल है और इनमें से अधिकांश पदाधिकारियों ने आज अपने पद और गोपनीयता की शपथ लेते हुए, महासभा के प्रति समर्पण और निष्ठापूर्वक कार्य करने का भरोसा भी दिलाया है।

समारोह का श्रीगणेश, विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में ध्वजारोहण करके, भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजन करके किया । सभी आगुंतक मेहमानों का पुष्प माला पहनाकर और शाल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। **प्रसिद्ध चित्रकार सदाराम शर्मा ने प्रधान रामपाल शर्मा को एक पेंटिंग भेंट की, उल्लेखनीय है कि प्रोफसर सदाराम शर्मा अब तक, देश के विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तियों को 850 पेंटिंग भेंट कर चुके हैं।**

प्रधान रामपाल शर्मा ने समारोह में बेहतरीन व्यवस्था करने और मेहमानों की सुविधाओं का ध्यान रखने के लिए महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड के नेतृत्व में और पहाड़गंज मन्दिर के अध्यक्ष गंगादीन जांगिड और दिल्ली प्रदेश सभा के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा के मार्गदर्शन में ठहरने और खाने के लिए की गई, बेहतर व्यवस्था की सराहना करते हुए, उनकी टीम के सदस्यों, जिनमें, मदनलाल जांगिड, कैलाश जांगिड, अनिल जांगिड (आयानगर) राजेन्द्र जांगिड, रामकिशन जांगिड, देशराज जांगिड, गिरिराज जांगिड, जगदीश खंडेलवाल, ब्रह्मानंद शर्मा, अनिल कुमार जांगिड, गुलजारी लाल जांगिड, परमानन्द जांगिड, महेश जांगिड, रोशन लाल जांगिड, धर्मपाल जांगिड, राधेश्याम जांगिड, सुरेन्द्र शर्मा, दीपक जांगिड, देशराज एवं दिल्ली के सभी जिला अध्यक्ष शामिल हैं, का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सदप्रयासों के कारण ही यह शपथ ग्रहण समारोह सफल रहा है और इसके लिए यह टीम बधाई की पात्र है। उन्होंने महासभा के कर्मचारियों के सहयोग के लिए भी धन्यवाद व्यक्त किया।

मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन महासभा के, मुख्य चुनाव अधिकारी, प्रवीण शर्मा, राजस्थान प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले ने किया और उन्होंने इस समारोह की निरन्तरता और क्रमबद्धता तथा इसके तारतम्य को बनाए रखा।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

पार्वती जांगिड सुथार ने विश्व के 120 देशों की 100 प्रतिष्ठित महिलाओं में शामिल होकर विश्व में सफलता का परचम फहराया।

जीवन में अगर आगे बढ़ने का अदम्य हौसला और उत्कृष्ट जिजीविषा हो तो, यह निर्विवाद रूप से सत्य और निश्चित है, कि संघर्षों के पश्चात जीवन में सफलता के नए हीरे और कोहिनूर उपलब्ध होंगे और केवल 28 वर्ष की इस छोटी सी आयु में, **अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर अपने नाम की कीर्ति और यश फैलाने वाली और युवाओं की प्रेरणा स्रोत और महिला सशक्तिकरण का ज्वलंत प्रतीक पार्वती जांगिड सुथार ने** अपने जीवन में ऐसी चमत्कारिक और ऐतिहासिक सफलता हासिल की है, जो स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी और इस उड़ान की मन में, परिकल्पना करने से ही, जो आनन्दानुभूति होती है, उसका सहज ही अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है।

यह करिश्मा और विशिष्ट उपलब्धि, पार्वती जांगिड सुथार ने, अपने संघर्ष और परिश्रम के बल पर ही हासिल की है और विश्व में सबसे कम केवल 28 वर्ष की आयु में यह अनुकरणीय उपलब्धि हासिल करने वाली वह देश की पहली महिला बन गई है। विश्व की 100 प्रतिष्ठित असाधारण प्रतिभा की धनी, प्रभावशाली, चेंजमेकर, महिलाओं की सूची में, शामिल होने वाली वह, विश्व की सबसे कम उम्र की महिला बनी है और ग्लोबल तीसरी रैंक के साथ विश्व कीर्तिमान बनाकर, न केवल देश को गौरवान्वित किया है, अपितु जांगिड-सुथार समाज को भी गौरवान्वित करने के साथ ही, विश्व के पटल पर कीर्ति ध्वज फहराया है ।

यह अनूठी और ऐतिहासिक सफलता हासिल हुई है, जोधपुर की रहने वाली पार्वती जांगिड सुथार को, जिनका जीवन संघर्ष और सदाशयता की एक ज्वलंत उदाहरण है और एक अनूठी मिसाल है। राजस्थान के जोधपुर जिले के सीमावर्ती गांव, गागरिया में लुणाराम सुथार और मां संजूदेवी के घर 7 दिसंबर 1996 को पैदा हुई, पार्वती जांगिड सुथार, माता पिता की 6 सन्तानों चार बहनों और दो भाइयों में सबसे छोटी है। लेकिन दुर्भाग्यवश इनके सिर से पिता का साया बचपन में ही उठ गया था और यही से उनके जीवन के संघर्ष की कहानी शुरू होती है और जिस समय उसको, अपने असली दायित्व का बोध हुआ और इस दायित्व बोध की परिकल्पना के साथ ही, पार्वती जांगिड ने समाज में सामाजिक कुरितियों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल बजा दिया और इस महानायिका ने सबसे पहले अपना ही **बाल विवाह** निरस्त करवाया और इस कुरीति के खिलाफ शंखनाद किया और वह लड़कियों के लिए और विशेषकर राजस्थान की लड़कियों के लिए एक प्रेरणा पुंज बन कर सामने आई।

पार्वती का मानना है, कि भगवान शंकर ने भी कहा है कि पुरुष और प्रकृति दोनों एक ही हैं और एक दूसरे के बिना अधूरे हैं। यह भेद तो समाज ने किया है। स्त्री-पुरुष एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और उनका कहना है कि समाज में बेटा-बेटी का भेद करना एक प्रकार से बेईमानी है और इसीलिए वह सामाजिक सरोकारों में हमेशा ही आगे रही है। वह महिलाओं के लिए एक आशा और उम्मीद की नई किरण बनकर आई है। 8 मार्च 2025 को **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सैनिकों की बहन, कर्नल की मानद उपाधि से विभूषित, पार्वती जांगिड को,**

हार्वर्ड 100 द्वारा दुनिया की 100 सबसे असाधारण महिलाओं में शामिल किया गया है। पार्वती जांगिड सुथार को उनकी निःस्वार्थ सेवा और सामाजिक कार्यों के प्रति अटूट समर्पण को ध्यान में रखते हुए ही 'हार्वर्ड 100 सूची में पार्वती को विश्व की सबसे कम उम्र की उन महिलाओं में से एक नामित किया गया है। जो उसकी कम उम्र में ही, उनके गहरे प्रभाव का द्योतक है है। यह प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग उन परिवर्तनकर्ताओं का सम्मान करती है, जो दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने के लिए, अपनी शक्ति, प्रभाव, पूंजी और समय का सदुपयोग कर रहे हैं। पार्वती जांगिड सुथार **सैनिकों की बहन के नाम से भी विख्यात है** और उन्होंने भारतीय रक्षा बलों के साथ अपने गैर जुड़ाव, महिला सशक्तिकरण की वकालत और सामाजिक सुधार में अपने अथक प्रयासों के माध्यम से अपने आप को प्रतिस्थापित किया है। इस प्रतिष्ठित सूची के लिए विश्व के 120 देशों की 9650 महिलाओं में से शॉर्ट लिस्टेड की गई, महिलाओं में से पार्वती इस सम्मान के लिए चुनी गई वह 25 ऐसी असाधारण महिलाओं में से एक है, जिनको 100 असाधारण महिलाओं की सूची में शामिल किया गया है। इन महिलाओं में विश्व की मेंलिडा फ्रेंच गेट्स, उर्सूला वान डेर लेयन, सुसान ली, लारेन पावेल जाब्स, जूलिया गिलार्ड, जिर्योमलोनी शामिल हैं, जबकि भारतीय महिलाओं में अमृतानंद मयी, पीवी सिंधू, पार्वती जांगिड सुथार, पूर्णिमा देवी बर्मन, नीता अंबानी, रोशनी नादर मल्होत्रा, किरण मजूमदार, सुधा मूर्ति, डॉक्टर अंजली अग्रवाल को भी इस प्रतिष्ठित सूची में जगह मिली है ।

Gmail

Congratulations on being selected to the Harvard100 IWD list
1 message

Harvard100 US <pro@harvard100.org> — Sat, Mar 8, 2025 at 8:32 PM
To: Sister of Soldiers <sisterofsoldiers@gmail.com>

Dear Ms. Parvati Jangid,

Congratulations on being selected for the Harvard100 Extraordinary Women list! On the occasion of International Women's Day 2025, we celebrate your inclusion among the "World's Most Extraordinary Women." This global ranking recognizes changemakers who are using their power, influence, capital, and time to make the world a better place.

The Harvard100 list highlights extraordinary women social activists and philanthropists who are transforming society and changing the world. We acknowledge the countless women who serve selflessly, dedicating their time and resources to social reform. This list stands as a symbol of their legendary contributions.

From a pool of 9,650 shortlisted women, we are thrilled to announce the names of 25 extraordinary women of 2025 on International Women's Day. We salute your selfless service, great sacrifice, and unwavering struggle. Your selection, based on the advice of 100 Harvard alumni and followers worldwide, recognizes you as a Harvard100 Woman.

You have also got the distinction of being the youngest woman in the world to be included in the Harvard100 list. You are truly an inspiration to us all. Many congratulations to you once again.

Sincerely,
Secretariat
Harvard100.org

जोधपुर की बालिका आदर्श विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा रही, पार्वती यूथ पार्लियामेंट ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन और दा रिपब्लिक आफ वीमेन की इलेक्टिड प्रेजीडेंट के साथ-साथ पार्वती युवा संसद भारत की चेयरपर्सन भी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अभिप्रेरित होकर ही, उसने राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया और युवाओं को प्रेरित करने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है और वह आज, उनको लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और राष्ट्र सेवा के प्रति निरन्तर जागरूक करने का कार्य कर रही है। बचपन से ही बहुमुखी प्रतिभा की धनी, पार्वती जांगिड, के मन पर स्वामी विवेकानंद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक के विचारों का अमोघ प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। अपना जीवन राष्ट्र के नाम समर्पित करने का जज्बा रखने वाली, इस असाधारण प्रतिभा की धनी पार्वती के सिर से बचपन में ही पिता का साया उठ गया था और ऐसे विकट समय में, चार बहनों और दो भाइयों में सबसे छोटी बहन पार्वती के लिए यह समय कितना, असाध्य, कठिन और संघर्ष भरा रह होगा, इसकी परिकल्पना करके भी मन सिहर उठता है। लेकिन परमात्मा के आशीर्वाद और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण ही वह, इन विकट परिस्थितियों में भी परिवार के साथ बड़ी मजबूती के साथ खड़ी रही और इसका अंदाजा इस बात से सहज रूप से ही लगाया जा सकता है कि पार्वती ने न केवल **अपना बाल विवाह निरस्त करवाया** अपितु इस कुप्रथा के खिलफ आवाज बुलंद की और जिसके सकारात्मक परिणाम आज राजस्थान में सामने आ रहे हैं। जहां पर बाल विवाह पहले आम बात थी।

पार्वती का जीवन संघर्ष साहस और अदम्य सेवा का प्रतीक है, उनकी कहानी उस हर व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है, जो समाज और राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा रखते हैं। **पार्वती का मानना है कि, लड़की का जन्म चाहे कहीं भी हुआ हो, वह भविष्य के सपने देखने और उन सपनों को मूर्त रूप देने की**

हकदार है। उनके इस अथक प्रयास से, न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को एक सकारात्मक संदेश गया है कि, एक व्यक्ति भी बड़े बड़ा परिवर्तन ला सकता है। पार्वती जांगिड, विशेष कर महिलाओं के लिए आज एक ऐसी ही अद्वितीय और अनोखी मिसाल बन चुकी है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव ही अभिप्रेरित करती रहेगी। 'संयुक्त राष्ट्र गर्ल्स, लीडरशिप समिट 2015 में आज से 10 वर्ष पूर्व, पार्वती जांगिड सुथार द्वारा कही गई यह बात सभी को प्रभावित करती है कि, लड़की का जन्म कहां हुआ है? गरीब के घर या अमीर के घर, गांव में या शहर में, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन वह लड़की भी अपने जीवन में भव्य सपने देखने की हकदार है और हम सब मिलकर ही, उनके सपनों को साकार कर सकते हैं।

अपनी इस उपलब्धि को **देश की हर महिला की जीत बताते हुए पार्वती ने कहा कि, मैं शोषित पीड़ित सुविधाओं से वंचित महिलाओं की आवाज उठाने की हर कोशिश करती रही हूं और जो लोग विश्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रहे हैं उनके साथ मिलकर भविष्य में भी इसी प्रकार से प्रयास करती रहूंगी। पार्वती, आज देश की युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा और एक देदीप्यमान सितारा बन गई है और अपने इस अभियान में आम जन, परिवार के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, आर्मी, बीएसएफ सेना के जवानों और देश-विदेश से मिले भरपूर सहयोग के लिए भी सभी का हृदय के अन्तःकरण से आभार व्यक्त किया है। पार्वती ने इसे सामूहिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि' भगवान ने उसको रास्ता दिखलाया और आप शुभचिंतकों की दुआओं का ही प्रतिफल है जिसने इस रास्ते पर आगे बढ़ना सिखाया है।** ग्रामीण जीवन से उठकर, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित करने और अपनी विशेष पहचान बनाने वाली, 'कर्नल पार्वती का नाम, अपने अदम्य साहस, सामाजिक सेवा और राष्ट्र भक्ति के माध्यम से और सभी के आशीर्वाद से, देश के अंतिम छोर पर बसे एक छोटे से, सीमावर्ती गांव गागरिया से उठकर, विश्व पटल पर पहुंच गया है और पार्वती ने अपनी कर्त्तव्य निष्ठा और दक्षता के कारण ही देश और जांगिड-सुथार समाज का नाम गौरवान्वित भी किया है।

भावुक होते हुए, पार्वती जांगिड ने कहा कि, **यह असाधारण उपलब्धि सभी महिलाओं को समर्पित है और आपकी दुआओं और फौजी भाइयों के प्यार और जीवन के संघर्ष से तपकर, महिलाओं को एक नई राह दिखाने का स्तुत्य प्रयास किया गया है।** उन्होंने सामाजिक कार्यो के साथ-साथ, जोधपुर के **जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय से स्नातक की शिक्षा हासिल की और इसके अलावा राजनीति विज्ञान में भी स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है।** और वर्तमान में वह समाज सेवा में भी शिक्षा ग्रहण कर रही है। जीवन में पार्वती के इस छोटे से सफर की उपलब्धियां महान है और यही कारण है कि उनको अनेकों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है और वह इसकी हकदार भी है।

पार्वती जांगिड को, उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जो प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल हुए हैं, उन पुरस्कारों में, भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और तीनों सेनाओं तथा समस्त सुरक्षा बलों द्वारा प्रशस्ति पत्र, **संयुक्त राष्ट्र द्वारा गर्ल्स राइजिंग एंबेसडर की उपाधि भी प्रदान की गई है। भारत की लक्ष्मी राष्ट्रीय पुरस्कार ऑस्कर ऑफ लीडरशिप, चाणक्य अवार्ड, वीर दुर्गादास राठौड़ सम्मान, दा नाइट आफ इंटरनेशनल इल्यूमिनेशन मेडल,** विश्वकर्मा रत्न, **आर्डर ऑफ लीडरशिप,** द गर्ल्स हीरो अवार्ड, जियो दिल से अवार्ड, **सोशल एक्टिविस्ट ऑफ द ईयर,** पर्सनालिटी ऑफ द ईयर, सिस्टर का बीएसएफ, वूमेन प्राइड, भारत गौरव, बाड़मेर गौरव सहित कई सम्मानों से अलंकृत हो चुकी है। दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति की धनी पार्वती जांगिड सुथार युवाओं के लिए एक प्रेरणा शक्ति है

और वह ऐसे युवाओं के लिए एक रोल मॉडल भी है, जो स्वयं में या दुनिया में अपने सार्थक प्रयासों के माध्यम से बदलाव लाना चाहते हैं।

पार्वती का मानना है कि **एक व्यक्ति भी बड़े बदलाव का कारण बन सकता है और वह बड़े बदलाव ला सकता है, अगर उसमें दृढ इच्छाशक्ति और आगे बढ़ाने की उत्कृष्ट जिजीविषा हो'। पार्वती जांगिड सुथार, आज महिलाओं के लिए एक ऐसी अनूठी मिसाल बन गई है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी इसी प्रकार से प्रेरित करती रहेगी। वह सेना की बहन 'भारत की इकलौती सिविलियन है, जिसे सेना द्वारा सिस्टर ऑफ सोल्जर्स की उपाधि मिलने का गौरव प्राप्त है।**

डॉ. मोहन सुथार ने, पार्वती और भारतीय रक्षा बलों के साथ सर्वोत्तम और भावनात्मक सम्बंधों का उल्लेख करते हुए रहस्योद्घाटन किया कि, उसने भारतीय वीर सैनिकों के साथ एक अनूठा रिश्ता कायम किया है और उनका सेनाओं के प्रति लगाव इस बात को परिलक्षित होता है कि, वह पिछले 15 वर्षो से प्रत्येक रक्षाबंधन व दीपावली को 'भारत रक्षा पर्व' के रूप में दुर्गम सुदूर बॉर्डर क्षेत्रों में सेना के जवानों का मनोबल बढ़ाने के लिए उनके रक्षा बंधन का त्योहार मनाती आ रही हैं और वह अब तक 4 लाख सैनिकों को रक्षा बंधन पर राखी बांध चुकी है। उन्होंने बताया कि इतना ही नहीं, आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में **सिस्टर ऑफ सोल्जर्स पार्वती** लगातार 101 दिन फौज के साथ रही और 12 राज्यों की सीमा को कवर किया। इसमें गुजरात के रण से लेकर सियाचिन ग्लेशियर तक, हिमालय की दुर्गम चोटियों से लेकर नॉर्थ ईस्ट का विशेष जटिलता से परिपूर्ण बॉर्डर से लेकर, भारत का 95 प्रतिशत से भी अधिक बॉर्डर अभी तक कवर कर चुकी है। इस दौरान पार्वती ने 8000 किलोमीटर के लगभग अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं का दौरा किया और न केवल सैनिकों का हौसला बढ़ाया, अपितु सीमावर्ती नागरिकों के साथ भी तादात्म्य स्थापित करते हुए उनको जागरूक भी किया गया। उन्होंने कहा कि यह लोग भी सेनाओं की तरह ही सजग प्रहरी बनकर, देश की सीमाओं की रक्षा करने में अंहम योगदान दे रहे हैं और पार्वती ने उनका आह्वान करते हुए कहा कि भविष्य में भी वह अपनी देशभक्ति की भावना को ध्यान में रखते हुए अपने दायित्व का निर्वहन देश के प्रति सत्यनिष्ठा पूर्वक तरीके से करें। उनके इस कार्य के लिए ही उनको **सिस्टर ऑफ सोल्जर्स, बीएसएफ की बहन,** और **हिमवीर की बहन, असम राइफल्स की बहन** और **तटरक्षक की बहन,** जैसी विशेष उपाधियों से भी विभूषित किया जा चुका है।

डॉ. मोहन ने याद दिलाया कि, यह पार्वती के लिए गौरव का क्षण था, जिस समय केवल 13 वर्ष की आयु में **सन् 2015 में सीमा सुरक्षा बल के स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित, गोल्डन जुबली के भव्य समारोह में 'सिस्टर ऑफ बीएसएफ** की उपाधि देकर उनको विशेष रूप से सम्मानित किया गया था। उनके इसी सेवा और समर्पण तथा विश्व बंधुत्व भावना को और अधिक मजबूत करते हुए, **उन्हें CGIM सी जी आई एम, मोल्दोवा द्वारा कर्नल के मानद रैंक से सम्मानित किया गया है, जो उनके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिए गए असाधारण योगदान की एक स्वीकृति है।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, पार्वती जांगिड की इस अनुकरणीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा है कि वह साक्षात संघर्ष की प्रतिमूर्ति है, जिसने अपने अथक परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर सेना के जवानों सहित सभी के हृदय में जगह बनाई है। इसके अतिरिक्त सबसे छोटी आयु में विश्व की 100 असाधारण महिलाओं में शामिल होकर एक नया इतिहास रचा है और समाज को गौरवान्वित किया है। महासभा रुपी परिवार की तरफ से पार्वती के उज्ज्वल भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

विश्व का सबसे बड़ा महाप्रसाद मां देवी करणी माता को समर्पित और लन्दन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

जनसेवा के लिए समर्पित कुलरिया परिवार पर भगवान की असीम अनुकम्पा है और **चिड़ी चोंच भर ले गई नदी घटो ना नीर, दान दिए धन धन ना घटे कह गए सन्त कबीर।** इस कहावत को चरितार्थ करके दिखलाया है, नौखा के रहने वाले, ब्रह्मलीन गौसेवी संत पदमाराम कुलरिया के परिवार के सदस्यों, डॉ. शंकर कुलरिया, कानाराम कुलरिया और धर्मचन्द कुलरिया ने, जिन्होंने अपने पिता के जन्मदिवस पर 16 हजार किलो बादाम के हलवे का महाप्रसाद वितरण करके, **गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डर्स व वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डर्स में नाम दर्ज करवाया है।** नवरात्रों के पावन अवसर पर, इस महाप्रसाद का भोग, देवी माँ करणी को 3 अप्रैल को विश्व का सबसे बड़ा महाप्रसाद सावन भादो, प्रातःकाल कालीन मंगल बेला में श्रद्धा भाव और आस्था के साथ समर्पित किया गया और इस अवसर पर मां करणी के मन्दिर के साथ ही पावन दरबार को भी बड़े ही दिव्य रूप में सजाया गया था और इस पुनीत अवसर पर मंगलमय वातावरण के साथ ही भक्ति, आस्था और श्रद्धा के समुद्र में सराबोर हो रहा था।

कुलरिया परिवार के तीनों भाइयों कानाराम-शंकर-धर्मचंद कुलरिया और सुरेश, द्वारा आयोजित 16000 किलो बादाम के हलवे का महाप्रसाद सावन भादो का भोग मां करणी को बड़ी आस्था और श्रद्धा के साथ समर्पित किया लगाया गया। इस आयोजन में कानाराम-शंकर-धर्मचंद कुलरिया व सुरेश, पुखराज व पंकज ने भी मां के प्रति विश्वास और श्रद्धा के साथ प्रातः 9 बजे मां को महा प्रसाद का भोग लगाया गया। मां करणी से तीनों भाइयों ने अनुनय विनय पूर्वक मन में अरदास की है और कहा कि **हे! मां हम हृदय से आपको नमन और अभिनंदन करते हैं कि आपने इस परिवार को सेवा करने का सुअवसर प्रदान किया है और इस योग्य निमित्त सेवक बनाया। आज आपको यह महाप्रसाद समर्पित करके हमारे श्रद्धेय पिताजी का मनोरथ पूर्ण हुआ।** इस पुनीत अवसर पर देश के दूर दराज के क्षेत्रों से आए हुए सभी अतिथियों ने मां करणी के दर्शन किए और महाप्रसाद पाकर अपने जीवन को कृतकृत्य और धन्य किया। इस महाप्रसाद का आनन्द देश के कोने-कोने से आए हुए लगभग एक लाख से अधिक भक्तों ने लिया।

मां करणी को समर्पित किए गए इस अनूठे महाप्रसाद के योगदान की, गाथा और गूंज मां के दरबार से विश्व के कोने-कोने तक पहुची है और मां करणी के दरबार में महाप्रसाद समर्पित करने के पश्चात् मां की अनुकम्पा से ही एक दिव्य और भव्य सौगात भी मिली है और मां करणी की **अनुकम्पा से ही कुलरिया परिवार के माध्यम से विश्व के दो नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं, जिनमें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डर्स और वर्ल्ड बुक रिकॉर्डर्स जैसे वैश्विक कीर्तिमान शामिल हैं।** विश्व स्तरीय इन दो रिकॉर्डर्स का आकलन करने के लिए इन विश्वविख्यात संस्थाओं के पदाधिकारी, मां करणी के दरबार में पहुंचे हुए थे और इन पदाधिकारियों ने तीनों भाइयों और उनकी माता श्रीमती हरप्यारी देवी कुलरिया को सर्टिफिकेट प्रदान करके उनको उपकृत किया गया। इस अनूठी उपलब्धि के बारे में सुनकर उस समय वातावरण मां के नारों से गूंजायमान हो उठा और मां के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्ति के रस में सराबोर हो गया तथा श्रद्धालु नाचने और गाने लगे।

सावन भादो महाप्रसाद के इस पुनीत अवसर पर देश के प्रतिष्ठित उद्यमी, व्यवसायी, समाजसेवी, राजनेता, प्रशासनिक पदाधिकारी एवं हर वर्ग के लोगों ने नतमस्तक होकर मां के दर्शन कर अपने जीवन को सार्थक और सिद्ध किया। कुलरिया परिवार द्वारा इस बात की समुचित व्यवस्था की गई थी कि मंदिर में आए हुए

सभी भक्तों के परिवारों तक भी महाप्रसाद पहुंचे । मां करणी के दरबार में कुलरिया परिवार की जन्मभूमि, मूलवास गांव सिल्वा से भी ग्राम वासियों ने भी महाप्रसाद हासिल किया और सभी ग्राम वासियों को मां का दिव्य उपहार चांदी के सिक्के प्रदान करके सम्मानित किया गया और उनका अभिनंदन किया गया। उन्होंने **पदम स्मारक का अवलोकन कर उसकी अनुपम बेजोड़ शिल्प कला को मन ही मन सराहा।**

महाप्रसादी से पूर्व भक्ति संगीत संध्या का आयोजन किया गया और इस भजन संध्या का श्रीगणेश कूलरिया परिवार की हरप्यारीदेवी कुलरिया, कानाराम मुन्नीदेवी, शंकर पार्वतीदेवी, धर्मचंद मीरादेवी, भूराराम, लालचंद, सुरेश कुलरिया, पुखराज कुलरिया, पंकज कुलरिया, नरेश कुलरिया, मुनीलाल माकड़, मांगीलाल माकड़, नरेंद्र-उर्मिला, प्रणय-भावना, मोहित-संतोष, सीताराम हनुमान गेचल, अशोक पीड़वा, पुखराज उत्तम मनीषा, निशा, नैना कुलरिया और ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मां करणी की पूजा व आरती के साथ किया। इस भजन संध्या में, सीकर से आए हुए विशाल सिंह कविया व अजय सिंह, खुशी पालवत ने मां करणी के भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन संध्या का संचालन जयकरण चारण ने किया।

भजन संध्या में महामंडलेश्वर बजरंगदास महाराज, नंदन वन गौशाला के सुखदेव महाराज, उगमाराम, मघाराम, भंवर-नरसी-पूनम कुलरिया, मांगीलाल धामू, रामचन्द्र सुथार, हनुमान सुथार, बजरंग सुथार, गोपाल, प्रेम, दामोदर, हरीश मांडण, पूर्व विधायक बिहारीलाल बिश्नोई, नोखा नगरपालिका चेयरमैन नारायण झांवर, उपाध्यक्ष निर्मल भूरा, एलएचओ परमेश्वर सुथार, सुरेंद्र भट्टड़, नारायण जोशी, प्रदीप माकड़, अभिनेता राज जांगिड, एसएन सुथार, पपु सोनू, रमेश मोदी, अमराराम चोयल, जीवराज सुथार, बीकानेर सीएमएचओ पुखराज, डॉ. करणीप्रताप सिंह, भोजराज सारस्वत, एसएचओ परमेश्वर सुथार, लक्ष्मम सिंह, गणेश कुलरिया, संजय बुढल, तुलसीराम कुलरिया सहित भारी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित हो कर, भजन संध्या का रसास्वादन किया।

डॉ. शंकर लाल कुलरिया ने बताया कि यह महाप्रसाद, 500 कार्यकर्ताओं ने 5 दिन अहर्निश सेवा करके तैयार किये गए इस हलवे को बनाने के लिए 6600 किलो बादाम और 3750 किलोग्राम शुद्ध घी और 3750 किलो चीनी, 5 लाख रुपए की कश्मीरी केसर डाली गई और इसके अलावा इलायची और पिस्ता भी डाले गए थे और 3 अप्रैल को प्रातः 9:15 बजे मां करणी को महाप्रसाद का भोग लगाया गया। इसके बाद 1 लाख से अधिक लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम के आयोजक कानाराम कुलरिया, शंकर कुलरिया परिवार ने बताया कि लगभग छह वर्ष पूर्व ब्राह्मलीन गौसेवी संत पदमाराम कुलरिया को मां करणी माता की कृपा का आदेश प्राप्त हुआ था, और आज उनकी भक्ति का प्रतिपल सावन-भादो महाप्रसाद के दिव्य आयोजन के रूप में साकार हो रहा है और करणी माता को आज दुनिया का सबसे बड़ा भोग लगाया गया है। इसके लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड सर्टिफिकेट भी मिला है। श्री करणी माता निजी न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष बादल सिंह ने बताया- गौसेवी संत पदमाराम कुलरिया ने हमेशा सेवा, धर्म और मानवीय मूल्यों से जुड़े प्रकल्पों को अपनी सद्भावना को जनहित में आगे बढ़ाया। उनके विचारों और मार्गदर्शन से समाज को निरंतर प्रेरणा मिल रही है ।

मां करणी निजी न्यास के अध्यक्ष बादल सिंह ने पूरे ट्रस्ट की तरफ से कुलरिया परिवार का आभार जताते हुए कहा कि पदम ग्रुप ऑफ कम्पनीज ने सदैव ही समाजसेवा और परोपकार को प्राथमिकता दी है। **धर्म चंद कुलरिया ने मां करणी के प्रति नतमस्तक होते हुए कहा कि मां करणी ने ही सावन भादो महाप्रसादी का नया विश्व रिकार्ड बनवाया है और यह वैश्विक सम्मान मां करणी को ही समर्पित है।** उन्होंने कहा कि जब भी विश्व में शांति, सौहार्द्र, सुख और समृद्धि की बात होगी, तो दुनिया का ध्यान सहज रूप से भारत के मंदिरों, साधु सन्तों व गुरुकुलों की तरफ जाएगा और एक दिन भारत देश ही, विश्व का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि **वेद अखिलो धर्म मूलम् यानी अखिल विश्व के धर्म का अगर कोई मूल है तो**

वह वेद हैं, पिता जी ने, धार्मिक, सामाजिक सरोकारों और परोपकार के महत्व को अपने जीवन में अक्षरश: उतारने का स्तुत्य कार्य किया। उनके आशीर्वाद व बड़े भाई कानाराम कुलरिया व शंकर कुलरिया के **मार्गदर्शन में में यह परिवार, संत और गोसेवी पद्मा राम के पद चिह्नों पर चल रहा है।** हमारा सनातन धर्म ही भारत की आत्मा है। सनातन धर्म और भारत एक दूसरे के पूरक है। भारत मजबूत होगा तो सनातन धर्म भी मजबूत होगा।

डॉ. शंकर कुलरिया ने कहा कि देश और सनातन धर्म के लिए अब लोगों को अपने अधिकारों की चिंता है। उन्होंने कहा कि सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है और यह सनातन धर्म सुरक्षित एवं समृद्धि के पथ पर अग्रसर होगा, तो विश्व स्तर पर मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलरिया ने कहा कि यदि सनातन धर्म खतरे में पड़ेगा, तो विश्व स्तर पर मानवता खतरे में पड़ जाएगी। इसी उद्देश्य यह विश्व स्तर का महा प्रसादी का महाभोग मां करणी को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि **मेरे पिता सन्त पदमाराम की, मां करणी के प्रति गहरी आस्था और विश्वास था और अगर साधना सच्ची होगी तो उसका परिणाम भी विश्वस्तर का ही प्राप्त होता है। मां करणी के आशीर्वाद व मन्दिर ट्रस्ट पदाधिकारियों के सहयोग से आज करणी माता का महाप्रसाद गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हुआ है और आज पिताजी का मनोरथ पूर्ण हुआ।**

कानाराम कुलरिया ने, सभी आगुंतकों का आभार और धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे परिवार द्वारा आयोजित सावन-भादो महाप्रसाद के वितरण के समय आप सभी ने पधारकर न केवल मां करणी का आशीर्वाद प्राप्त किया है अपितु इससे जो, अपनेपन की अनुभूति हुई है और आप सभी क्षेत्रवासियों के अपनेपन की भावनाओं के कारण ही यह विश्व रिकार्ड कायम हुआ है। इस सम्मान के आप असली हकदार हैं। मैं आप सभी का हृदय से आभार और कृतज्ञता प्रकट करता हूं। हमारे परिवार के प्रति आपका यह असीम स्नेह और प्यार तथा सहचार्य सदैव ही इसी प्रकार से बना रहे। मां करणी से मेरी यही करबद्ध विनम्र विनती है।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान, रामपाल शर्मा ने, कुलरिया परिवार के भामाशाह, काना राम- डॉ. शंकर- धर्म चन्द कुलरिया द्वारा विश्व का सबसे बड़ा महाप्रसाद माता करणी को समर्पित करने के लिए, उनका नाम गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकाड्र्स व वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड में दर्ज होने पर महासभा परिवार की तरफ से कोटि-कोटि हार्दिक बधाई और शुभ मंगल कामनाएं। इससे कुलरिया परिवार का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है और यह परिवार भविष्य में भी इसी परोपकार का भावना से कार्य करते हुए, मानव सेवा में समर्पित रहेगा। विपुल धन्यवाद। **कानाराम कुलरिया- डॉ शंकर कुलरिया- धर्मचन्द कुलरिया**

निशा जांगिड ने 12 वीं कक्षा में 93 प्रतिशत अंक हासिल किए।

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है और यह सिद्ध करके दिखलाया है एक प्राईवेट संस्थान में लेखाकार की नौकरी कर रहे, हीरा लाल जांगिड की सुपुत्री निशा जांगिड ने, उसने उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, कर्नाटक द्वारा आयोजित 12वीं परीक्षा में 93.33 प्रतिशत अंक हासिल करके माता-पिता के साथ-साथ समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है। निशा की मां श्रीमती सरोज जांगिड ने बताया कि अपने परिवार का गुजारा करने के लिए निशा के पिता बैंगलुरू आ गए और अपने बच्चों को यहीं पर शिक्षा दिलवा रहे हैं और बेटी

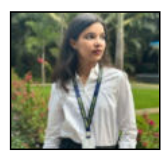

निशा बचपन से ही पढ़ाई में हमेशा होशियार रही है और उसने 10वीं कक्षा में भी 90 प्रतिशत अंक हासिल किए थे और अब 12वीं की परीक्षा में निशा ने 600 अंकों में से 560 अंक हासिल करके यह विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने निशा जांगिड को बधाई देते हुए कहा है कि उसने अपनी प्रतिभा और दक्षता का परिचय देते हुए बेहतर अंक हासिल करके माता-पिता के साथ ही, समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है। मैं निशा के उज्ज्वल भविष्य की शुभ मंगल कामनाएं करता हूं। **बाबूलाल शर्मा, बेंगलुरु।**

प्रदेश सभा, राजस्थान की महिला प्रकोष्ठ के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा राजस्थान की महिला प्रकोष्ठ की नवगठित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह 5 अप्रैल को मुख्य अतिथियों और समाज के विशिष्ट महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिति में दो चरणों में सम्पन्न हुआ।

समारोह के प्रथम चरण के मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शिरकत की। उन्होंने महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई एवं समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और उनके सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए, जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने रहस्योद्‌घाटन किया कि डॉ. रेनू जांगिड से उनका परिचय कालेज की राजनीति के समय से ही रहा है और वह इस कार्यक्रम में आत्मीयता से सम्मिलित हुए हैं। उन्होंने जांगिड समाज की भारतीय जनता पार्टी को अनवरत रूप से सहयोग देने की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ के समय से लेकर और अब भारतीय जनता पार्टी के गठन के समय से लेकर, जो आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने के साथ ही इसके सबसे अधिक सांसद, विधायक और मेयर है और इस पार्टी के बीजारोपण से लेकर आज तक इस समाज का भाजपा को अनवरत रूप से सहयोग जारी रहा है और इसके लिए यह समाज धन्यवाद का पात्र है।

केन्द्रीय मंत्री ने आधुनिक युग में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, समाज के भामाशाहों का आह्वान किया कि वह, शिक्षण संस्थानों की स्थापना के लिए आगे आए, जिससे समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को शिक्षा की समुचित व्यवस्था मिल सके और वह उच्च शिक्षा ग्रहण करके समाज और देश का नाम गौरवान्वित कर सकें। उन्होंने भाजपा को पल्लवित और पुष्पित करने में जांगिड समाज के अनन्य सहयोग के लिए हृदय से इस समाज का आभार व्यक्त किया।

इस शपथ ग्रहण समारोह के द्वितीय चरण में, राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित किया और उन्होंने डॉ. रेनू जांगिड की मांग पर जयपुर में छात्रों के लिए छात्रावास निर्माण के लिए भूमि आवंटन प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग का देने का भरोसा दिलाया, जिसका सभी उपस्थित लोगों ने, तालियां बजाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेरा इस समाज से विशेष रूप से लगाव है और जब भी मुझे अवसर मिलता है, मैं इस समाज की समास्याओं का समाधान करने का हर सम्भव प्रयास करती हूं। आपके समाज ने विधानसभा चुनाव के दौरान मेरा खुलकर समर्थन किया और इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए, रेनू जांगिड और उसकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि, जिस प्रकार से आपको यह महिलाओं का महत्त्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। इसका भलीभांति निर्वहन करते हुए महिलाओं को जागरूक करने का स्तुत्य प्रयास करने की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने महासभा का, दोबारा से निर्विरोध रुप से प्रधान निर्वाचित होने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, **यह समाज के लोगों का असीम प्यार और स्नेह ही है कि मुझे समाज के मुख्य सेवक का दायित्व निभाने का पुनः अवसर प्रदान किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हम सभी एक साथ मिलकर महासभा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए स्तुत्य प्रयास करेंगे।**

महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा ने कहा कि राजस्थान की महिलाएं भी किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है और आज जिस प्रकार से महिलाएं, सामाजिक और राजनैतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं, उससे यह

निश्चित है कि आने वाले समय में एक महिला, महासभा की प्रधान बनेगी। उन्होंने रेनू जांगिड की कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि वह महिलाओं को जागरूक करने और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए समाज की प्रगति को नया आयाम प्रदान करेंगी।

राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि राज्य और केंद्र सरकार द्वारा समाज के हित में जो अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनको लागू करने में विशेष सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए, ताकि यह समाज प्रगति के नए आयाम स्थापित कर सके। केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जांगिड समाज को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। प्रदेश सभा-राजस्थान के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रेनू जांगिड और कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा शपथ ग्रहण करवाई गई।

डॉ. रेनू जांगिड ने, अपने उद्बोधन में महिला शिक्षा और नारी सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। प्रदेश महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी से महिला छात्रावास के लिए भूखंड उपलब्ध करवाने की मांग रखी, जिसपर उन्होंने आश्वासन दिया कि आप कार्यवाही प्रारंभ कीजिये, आपकी मांग पर राजस्थान सरकार द्वारा सहानुभूति पूर्वक विचार किया जायेगा।

महासभा के अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडण ने भी बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाएँ उपलब्ध करने का आश्वासन दिया ताकि समाज की छात्राएं प्रतिस्पर्धा के इस युग में, जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित कर सकें।

महासभा के पूर्व उप प्रधान सोहन लाल शर्मा ने, अपने धन्यवाद भाषण में सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया। शपथ ग्रहण के पश्चात् महिलाओं ने गीत-संगीत का रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत कर समारोह में चार-चाँद लगा दिए। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, पार्षद सुरेश जांगिड, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की नव मनोनीत अध्यक्ष श्रीमती सविता किंजा, राजस्थान प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड, राजस्थान के चुनाव प्रभारी बसंत गेपाल, राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती कंचन शर्मा, राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती नीलू शर्मा, अंजू जांगिड, स्मिता जांगिड, राजस्थान युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष राहुल शर्मा, महासभा के पूर्व, डेढ़ लाख मिशन प्रभारी रामजी लाल जांगिड, मुख्य सलाहकार, सुभाष जांगिड, मूलचंद लावंडीवाल, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा, सह कोषाध्यक्ष मुकेश, वरिष्ठ मंत्री हर्ष जिठावा, सम्पादक, हरिराम जांगिड और नरेश शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता महेश जांगिड, रामशरण जांगिड सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हैं। **शपथ ग्रहण समारोह के उपरांत फाग महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं एवं पुरुषों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समां बांध दिया।**

डॉ. रेनू जांगिड ने, जांगिड ने सभी उपस्थितजनों, अतिथियों, पदाधिकारियों और समाजबंधुओं का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता का श्रेय सभी सहयोगियों को दिया।

मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन संयुक्त रूप से प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा साली वाले और लक्ष्मी देवी जांगिड ने किया। महासभा के पूर्व उपप्रधान सोहन लाल शर्मा ने सभी आगुंतकों का समारोह को सफल बनाने के लिए हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रीय गीत के साथ किया गया।

प्रदेश महामंत्री, कैलाश शर्मा सालीवाले।

युवा वैज्ञानिक विकास धामू को आसियान देशों में पहला पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जीवन में जो युवा आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ता है, उसको समय आने पर आशातीत सफलता अवश्य ही मिलती है और अपनी इस उत्कृष्ट जिजीविषा और अनन्य साधना के माध्यम से यह सफलता हासिल की है, गांव सिसवाल, जिला हिसार के रहने वाले विकास धामू ने, उन्होंने न केवल एशिया की नंबर-1 यूनिवर्सिटी में पीएचडी में दाखिला लिया है, अपितु अपने **विवेक और दक्षता के कारण पेरिस में प्रतिष्ठित इंफ्लेक्शन अवार्ड हासिल करके, वह विश्व के 30 युवा वैज्ञानिकों में शामिल हो गए हैं।** उनको यह पुरस्कार 11 मार्च 2025 को पैरिस में हुई दो दिवसीय 10-11 मार्च को हुई समिट के आधार पर उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए दिया गया।

जलवायु के बारे में शोध करने के लिए यह पुरस्कार मार्बल द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जिससे बिल गेट्स माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक द्वारा स्थापित ब्रेकथ्रो एनर्जी फैलोज और क्वाड्रेचर कर क्लाइमेट फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है। **इंफ्लेक्शन विश्व का पहला पुरस्कार कार्यक्रम है, जो भावी युवा वैज्ञानिकों की पहचान करके, उन्हें जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली अवसरों से जोड़ने का स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम 30 चुने हुए वैज्ञानिकों को, पेरिस में एक विशेष दो दिवसीय समिट के लिए एकत्रित करता है- जो अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन संधि (पैरिस एग्रीमेंट) का जन्म स्थान भी है।**

इस संधि के अनुसार वैश्विक तापमान में अभिवृद्धि को सीमित करना अनिवार्य है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो, ग्लेशियरों का पिघलना समुद्र स्तर का बढ़ना और सूखे जैसी आपदाओं में तेजी आ सकती है यहां तक की, मुंबई और पश्चिम बंगाल जैसे तटीय क्षेत्रों भी भविष्य में समुद्र में समा सकते हैं। इस पुरस्कार का उद्देश्य उदीयमान स्तर के वैज्ञानिकों को विश्व स्तरीय विशेषज्ञों से जोड़ने और उनके अनुसंधान को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने और उनके नवाचारों का उत्सव मनाने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है, ताकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस समाधान विकसित किया जा सके। **विकास धामू इस वर्ष के इन्फेक्शन पुरस्कार विजेताओं में से एक है, जो उन वैज्ञानिकों में शामिल है जो, जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध क्रांतिकारी समाधान विकसित कर रहे हैं। उन्हें दुनिया भर के शीर्ष संस्थानों, जैसे एम आई टी, ऑक्सफोर्ड स्टैनफोर्ड आदि के सैकड़ो आवेदको में से कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से चुना गया है।** विकास धामू को उनकी वैज्ञानिक उत्कृष्टता, दूरदर्शिता और वास्तविक दुनिया में प्रभाव डालने की क्षमता के लिए विशेष रूप से भूरि-भूरि प्रशंसा हासिल हुई है। इस वर्ष के 30 विजेताओं में से, विकास धामू एशिया की केवल दो यूनिवर्सिटी से चयनित वैज्ञानिकों में शामिल है और आसियान क्षेत्र, जो 10 देशों का समूह है और सिंगापुर भी उसमें शामिल है, से विकास धामू, एकमात्र पुरस्कार विजेता है।

विकास धामू के पिता छोटूराम धामू, जो कि हरियाणा सरकार से एक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, ने गर्व के साथ कहा कि, विकास बचपन से ही पढ़ाई में उत्कृष्ट रहा है, उसने 10वीं की परीक्षा में 86 प्रतिशत अंक हासिल किए और बी.टेक की डिग्री **दीन बंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल से पास की है** और उसके पश्चात देश की **प्रतिष्ठित आईआईटी खड़गपुर से मास्टर्स डिग्री, एम टेक की डिग्री हासिल की है और वर्तमान में वह नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से पीएचडी कर रहे हैं। यह**

यूनिवर्सिटी एशिया की नंबर-1 और विश्व की 8वीं सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी (क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग के अनुसार) मानी जाती है।

उन्होंने कहा हरेक पिता की यह इच्छा होती है कि उसके बच्चे सफलता के नए आयाम छुए और मुझे अपने बेटे **विकास की उपलब्धि पर गर्व और अपार खुशी महसूस हो रही है कि एक छोटे से गांव सीसवाल से निकलकर उसने, एशिया में अपना परचम लहराया है और पेरिस में प्रतिष्ठित 'इन्फ्लेक्शन अवॉर्ड 2025' प्राप्त करना उसकी कठोर मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट जिजीविषा का ही प्रमाण है।** विकास ने कार्बन डाइऑक्साइड को क्लाथरेट हाइड्रेट के रूप में संग्रहित करने की तकनीक पर शोध किया है, जो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उसकी इस सफलता पर न केवल महासभा रुपी परिवार, बल्कि पूरे भारत देश का गौरव और सम्मान भी बढ़ा है। मै उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ और आशा करता हूँ कि वह अपने अनुसंधान के माध्यम से देश की प्रतिष्ठा को द्विगुणित करेगा ।

विकास की **मां श्रीमती सोमा देवी धामू, बेटे को पुरस्कार मिलने का नाम सुनकर भावुक हो गईं और कहा कि विकास को पेरिस में, जो अवार्ड मिला है, उसके बारे में जानकर अपार प्रसन्नता हुई है।** विकास ने जीवन में हमेशा ही अपना काम सत्यनिष्ठा पूर्वक और ईमानदारी से किया है और जीवन में ऐसा अवसर भगवान की अनुकम्पा से ही मिलता है। **माता-पिता के लिए इससे बड़ी खुशी नहीं हो सकती है कि उनका पुत्र उनके सपनों को पूरा कर रहा है। विकास ने अब तो, विश्व के 30 युवा वैज्ञानिकों में अपना स्थान बनाया है और उम्मीद है वह भविष्य में नए-नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए देश और समाज का नाम गौरवान्वित करेगा।**

विकास धामू ने बताया कि **वह प्रोफेसर प्रवीन लिंगा के मार्गदर्शन में, अपना शोध कार्य कर रहे हैं और उनका शोध कार्य कार्बन डाइऑक्साइड को क्लाथरेट हाइड्रेट के रूप में संग्रहित करने की तकनीक पर केंद्रित है।** क्लाथरेट हाइड्रेट्स बर्फ जैसे यौगिक होते हैं और वह तब बनते हैं, जिस समय सीओ-2 जैसी गैसें उच्च दबाव और निम्न लक्ष्यों को प्राप्त करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकती है। इतना ही नहीं विकास धामू ने अपनी क्लाथरेट हाइड्रेट तकनीक पर आधारित शोध को लेकर कई अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में उनके लेख प्रकाशित किए गए हैं। इस पुरस्कार के तहत 30 चुनिंदा युवा वैज्ञानिकों को पेरिस में दो दिवसीय समिट में शामिल होने का मौका मिलता है यह वही शहर है, **जहां पर अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन संधि पर हस्ताक्षर हुए थे।**

विकास को उनकी वैज्ञानिक उत्कृष्टता और वास्तविक दुनिया में प्रभाव डालने की क्षमता के लिए विशेष रूप से चुना गया है, यह पद्धति न केवल पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ है, बल्कि आर्थिक रूप से भी व्यावहारिक है। इस तकनीक के माध्यम से एक लाख गीगाटन से अधिक सीओ-2 को संग्रहित किया जा सकता है- जो कि 2050 तक वैश्विक कार्बन न्यूट्रलिटी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकता है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने विकास धामू के उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए प्रतिष्ठित **इंफ्लेक्शन अवार्ड** मिलने पर हृदय के अन्तःकरण से हार्दिक बधाई देते हुए कहा है कि विकास का कार्य के प्रति समर्पण और आत्मविश्वास ने ही उसको इस प्रतिष्ठित इंफ्लेक्शन अवार्ड का हकदार बनाया है। और वह विश्व के 30 युवा वैज्ञानिकों और आसियान देशों में पहला स्थान हासिल किया है और इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए **महासभा रुपी परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई और आशा है कि वह भविष्य में न केवल एशिया में अपितु विश्व में अपनी प्रतिभा का परचम लहरायेगा और समाज का नाम गौरवान्वित करेगा।** सम्पादक, राम भगत शर्मा।

हिसार के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ नरेश जांगिड का नाम लन्दन बुक आफ रिकार्ड में दर्ज किया गया।

जीवन में कुछ लोग **परहित सरिस धर्म नहिं भाई** की उदात्त भावना को लेकर कार्य करते हैं और उनका सकारात्मक दृष्टिकोण होने के कारण वह अपनी दूसरों की भलाई में ही आनन्द की तलाश करते हैं और इसी कर्त्तव्यनिष्ठा और समर्पण की भावना से अभिप्रेरित होकर समाज के गरीब लोगों की सेवा कर रहे हैं और ऐसे ही जांगिड समाज के परोपकार की भावना से ओत-प्रोत हिसार के रहने वाले, फिजोथैरफिस्ट, नरेश जांगिड हैं, जिन्होंने अपना सारा जीवन समाज के गरीब लोगों के लिए समर्पित किया हुआ है और उनके इस जज्बे को सलाम है, इसी जज्बे और कर्त्तव्यनिष्ठा और समाज के प्रति समर्पण की भावना को ध्यान में रखते हुए ही **उनका नाम लन्दन बुक आफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है** और उनको 17 मार्च को यह पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। **लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड का प्रमाण पत्र उनको सर्वोदय अस्पताल के चिकित्सक डॉ. उमेश कालड़ा व चिकित्सक डॉ. सरिता कालड़ा द्वारा यह प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।**

नरेश जांगिड ने बताया कि वह अब तक सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों के सहयोग से 128 कैंप लगाकर 20000 से अधिक मरीजों की जांच करके, उनका मुफ्त इलाज कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, वह, **हिसार के अनाज मंडी स्थित भूमि आश्रम में रहकर वह समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की निःशुल्क इलाज कर रहे हैं।** इसके अतिरिक्त वह मंदबुद्धि बच्चों के स्कूल में जाकर बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल भी करते हैं और एक फिजियोथेरेपिस्ट होने के नाते गरीब लोगों की सेवा करने से उनको जो आनन्द की अनुमति होती है, उसका सहज ही अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। नरेश जांगिड के कुशल व्यवहार और गरीबों के प्रति समर्पण की भावना के कारण ही वह कई सामाजिक संस्थाओं, अधिकारियों और मंत्रियों से भी सम्मानित हो चुके हैं। उन्होंने अपने मन की भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि उनको सबसे बड़ा आनन्द के मजदूर के बेटे की सेवा करके मिलता है और यही कारण है कि वह अब तक 20 हजार से अधिक गरीब लोगों का मुफ्त इलाज कर चुके हैं, क्योंकि उनको गरीब लोगों की सेवा करने से काफी स्कून मिलता है।

नरेश जांगिड ने कहा कि वह हिसार की **अनाजमंडी में बनाए गए भूमि आश्रम में रह रहे जरूरतमंद लोगों का निःशुल्क इलाज करते है और वही इसके साथ ही वह मंदबुद्धि बच्चों के स्कूल में जाकर बच्चों के स्वास्थ्य की भी निरन्तर देखभाल भी करते हैं। मानव सेवा और समाज सेवा ही मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है और समाज सेवा के प्रति समर्पण और करुणा भाव रखने के कारण ही नरेश जांगिड को 'वर्ल्ड ग्रेटेस्ट रिकार्ड से अवार्ड नवाजा गया** है और सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओ में निःशुल्क कैंप लगाने के कारण ही उनको, इस आधार पर प्रशस्ति पत्र, प्रमाण पत्र, लिखित पत्र, मेडल स्मृति चिह्न व शिल्ड देकर सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. नरेश जांगिड 11 वर्षो के दौरान अभी तक 20 हजार से अधिक मरीजो का निःशुल्क ईलाज किया है और इसके अतिरिक्त फौजी सैनिको तथा बीएसएफ में कैंप लगाकर सैनिकों का भी निःशुल्क ईलाज किया गया है।

नरेश जांगिड ने बताया कि वह अपना समय निकाल अनाजमंडी स्थित भूमि आश्रम में रह रहे हैं और जरुरतमंद लोगो का निःशुल्क ईलाज करते हैं और अपनी सेवाए दे रहे हैं। वही मंदबुद्धि के स्कूल में जाकर बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल करते है। उन्होंने बताया कि उनके जीवन का एकमात्र लक्ष्य,

सामाजिक सेवाओ में अपना ज्यादा से ज्यादा योगदान देना है। उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपी एक तरह का चिकित्सक उपचार है, जो कई तरह की रिकवरी के साथ शरीर की जकड़न को दूर कर सकती है। दर्द या शरीर की जकड़न का इलाज सिर्फ दवा से ही काफी नहीं होता, बल्कि फिजियोथेरेपी से भी शरीर की जकड़न और दर्द को कम किया जा सकता है, यह फिजियोथेरेपी मेडिकल साइंस का ही एक हिस्सा है।

गरीबों और अभावग्रस्त लोगों की सेवा करने की प्रेरणा मिलने का उल्लेख करते हुए, उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि एक बार एक मजदूर के बेटे का ईलाज किया, लेकिन उसके पास पैसे नहीं थे, लेकिन उसने जो दुआएं दी उससे मेरा दिल पसीज गया और 'मुझे अपने अन्त:करण में महसूस हुआ कि इसका ईलाज करने से मेरे को जो आत्मिक सन्तोष मिला है, उसकी तुलना पैसे से कभी भी नहीं की जा सकती है और अगर मैं उस मजदूर से 200-300 रुपए ले भी लेता तो, मेरी आत्मा कचौटती रहती और मुझे आत्मग्लानि होती और भगवान की प्रेरणा से मैंने उस दिन संकल्प लिया कि जहां तक संभव हो सकता है, मैं, समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों का फ्री इलाज करके पुण्य अर्जित करने का काम करुंगा' और इस पुण्य के कार्य से मुझे जो आत्मसंतोष और सुकून मिलता है, उसकी परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। इसके पश्चात् यह सिलसिला आज भी निर्बाध गति से जारी है और फिजियोथेरेपिस्ट नरेश जांगिड विगत 11 वर्षो के दौरान वह गरीब, असहाय और जरूरतमंदों की सेवा करके हजारों लोगों की खुशियां लौटा चुके हैं।

पिता जयनारायण जांगिड और माता श्रीमती रोशन देवी के घर हिसार में पैदा हुए, डॉ. नरेश जांगिड को समाज सेवा करने के उत्तम संस्कार अपने माता-पिता से ही मिलें हैं और यही कारण है कि उनमें मानव कल्याण का जज्बा बचपन से ही भरा हुआ है। उन्होंने मानवीय भलाई का एक और उदाहरण देते हुए कहा कि उनका मन वर्ष 2011 में एक घटना के बाद उस समय झंकझोर गया था, जिस समय **एक रिक्शा चालक के बेटे का हाथ टूट गया और वह गरीब का पैसे के अभाव में, इलाज करवाने के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहा था। लेकिन सौभाग्यवश मैंने उसके बेटे का, हाथ बिना कोई पैसा लिए ही ठीक कर दिया तो मुझे जो, सुखद अहसास और आत्म संतुष्टि हुई, उसकी परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है।** रिक्शा चालक से जो दुआएं मिली उससे, **मेरे मन में एक सन्तोष की किरण पैदा हुई और उसके आलोक में, मैंने यह निश्चय किया और संकल्प लिया और ठान लिया कि वह उन लोगों का फ्री में इलाज करेगा जो आर्थिक तंगी की वजह से अपने जीवन में तकलीफें झेल रहे हैं।**

डॉ. नरेश जांगिड अब तक सरकारी और स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से 128 कैंप लगाकर 20 हजार से अधिक लोगों का फ्री इलाज कर चुके हैं और यही कारण है कि उनके सेवा भाव एवं जज्बे से प्रोत्साहित होकर, उसको विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मानित जा चुका है। जिनमें लोक निर्माण मंत्री के रणबीर गंगवा, स्वास्थ्य मंत्री कमल गुप्ता, उप पुलिस महानिरीक्षक बलवान सिंह राणा, हिसार की उपायुक्त प्रियंका सोनी और उत्तम सिंह सहित अनेक राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके साथ ही **वह अनाथालयों व वृद्ध आश्रम में भी अपनी नि:स्वार्थ भाव से नि:शुल्क सेवा प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त वह रक्त दान- महान दान की परम्परा का निर्वहन करते हुए, वह अनाथालयों व वृद्ध आश्रमों में 66 बार से अधिक रक्तदान भी कर चुके हैं और उनकी इन विशिष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही डॉ जांगिड को, 'इंडिया प्राउड बुक ऑफ रिकार्ड' में नाम दर्ज किया गया हैं।**

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

बाड़मेर जिले का, रावत मल जांगिड इसरो में वैज्ञानिक बना

यह जीवन कठिनाइयों और परेशानियों से गुजर कर सोना बनता है, जिस प्रकार से कुन्दन तपने के पश्चात खरा सोना बन जाता है, उसी प्रकार से जो युवा आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ता है, उसके रास्ते में आने वाली सभी बाधाए दूर हो जाती है और यह सिद्ध करके दिखलाया है बाड़मेर के एक छोटे से गांव उण्डखा के रहने वाले रावल मल सुथार ने, जो मरुधरा से निकलकर अन्तरिक्ष की यात्रा करेगा और वह भाग्यशाली रावलमल जांगिड पिता जोगा राम सुथार के घर पैदा हुए और रेतीले धोरों में बसा बाड़मेर का यह छोटा सा गाँव आदर्श ऊण्डखा आज रावत मल की खुशी में शामिल होकर उसको शुभाषीश दे रहा है।

उल्लेखनीय है रावत मल का चयन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक, इंजीनियर (सिविल) के पद पर चयन हुआ है और यह उपलब्धि उनके अथक परिश्रम, सतत् प्रयास, उत्कृष्ट आकांक्षा और लगन तथा शिक्षा के प्रति समर्पण के कारण ही हासिल हुई है। 3 अप्रैल 2025 को रावत मल ने इसरो के अहमदाबाद सेंटर में अपनी नई पारी की शुरुआत की है और इस उपलब्धि को सुनकर अभिभावकों को असीम आनन्द की अनूभूति हो रही है।

एक कारपेंटर के घर पैदा हुए इस अद्वितीय प्रतिभा के धनी, रावत मल का सफर गरीब और प्रतिभावान युवाओं के लिए किसी प्रेरणादायक कहानी से कम नहीं है। पिता ने मेहनत-मजदूरी करके अपने बेटे को पढ़ाया और शिक्षा के महत्व को समझते हुए उसकी हर संभव मदद करने का प्रयास किया सहारा दिया।

जहां तक शिक्षा हासिल करने का सवाल है रावत मल ने, अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से प्राप्त की और 10वीं कक्षा में मेरिट में स्थान हासिल करके अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया। इसके बाद 12वीं के साथ-साथ उन्होंने, देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेज, एन आई टी, सूरत, में दाखिला लिया और वहां से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। उनकी मेहनत और प्रतिभा का सिलसिला यहीं नहीं थमा और वर्तमान में वह केंद्रीय रक्षा मंत्रालय में जुनियर इंजीनियर पद पर कार्यरत थे, लेकिन अब अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर इसरो में ग्रुप ए में, राजपत्रित अधिकारी के रूप में चयनित हुए है।

उनके पिता का कठोर परिश्रम और बेटे की शिक्षा के प्रति जिजीविषा ने यह सिद्ध कर दिया कि संसाधनों की कमी सपनों को पल्लवित और पुष्पित होने से नहीं रोक सकती है और रावत मल की इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत के साथ-साथ उसके परिवार का भी पूरा समर्थन प्रमुख रहा है। रावतमल ने अपनी कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ तथा लगन के बल पर एन आई टी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिला लिया और फिर देश के प्रमुख प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शोध संस्थान इसरो जैसे संगठन तक का सफर सहजता से तय किया। आज उनकी यह अनुकरणीय उपलब्धि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है जो सीमित साधनों के बावजूद भी अपने जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। इसरो जो अपनी लागत और प्रभावी तकनीकों और अन्तरिक्ष मिशनों के लिए विश्वभर में विख्यात है, अब वह मरुधरा के लाल की प्रतिभा का साक्षी बनेगा।

रावत मल के पिता जोगा राम सुथार ने भावुक होते हुए कहा कि मैंने जीवन में परिकल्पना भी नहीं की थी एक गरीब का बेटा अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कोई भी उपलब्धि हासिल कर सकता है। उसने अहमदाबाद में अपने नए मिशन की शुरुआत की है और मैं तो परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से परिश्रम और पुरुषार्थ से कार्य करते हुए न केवल समाज का अपितु देश का नाम भी गौरवान्वित करेगा। इस छोटे से गांव से निकलकर बाड़मेर का यह लाडला अन्तरिक्ष की ऊंचाईयों को छू कर देश को गौरवान्वित करेगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने रावत मल सुथार को उसकी अनुकरणीय उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उनको बधाई देते हुए कहा है कि इसरो जैसे विश्व प्रसिद्ध संस्थान में चयन अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और इससे देश एवं पूरे राजस्थान और मरुधरा के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि उनकी इस उपलब्धि ने युवाओं को यह सकारात्मक संदेश दिया है कि प्रतिभा किसी क्षेत्र या परिस्थिति की मोहताज नहीं होती है।

गोपाल चोयल, मुख्य सलाहकार, महासभा, अजमेर

गांव खुर्रमपुरा में 70 लाख रुपए की लागत से स्वास्थ्य उप केन्द्र का निर्माण किया जाएगा।

पहला सुख निरोगी काया और दूजा सुख पुत्र और माया। यह जीवन परमात्मा की दी हुई एक अनमोल धरोहर है और जब तक सेहत ठीक है तभी तक जीवन का आनन्द है। आजकल स्वास्थ्य सुविधाएं बहुत महंगी हो गई हैं और इसी उद्देश्य से गांव खुर्रमपुरा के लोगों को मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए गांव के एक भामाशाह जांगिड परिवार ने, गांव में उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलने की पहल की है और इस पहल पर 70 लाख रुपए की लागत से बनने वाले राजस्थान सरकार के नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इसका शिलान्यास 6 अप्रैल को रामनवमी के पुनीत अवसर पर गांव खुर्रमपुरा में, इस उप स्वास्थ्य केन्द्र की आधारशिला रख कर किया।

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि इस उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण, गांव खुर्रमपुरा के भामाशाह जांगिड परिवार की ओर से किया जा रहा है, जिसकी आज आधारशिला रखी गई है । उन्होंने कहा कि इसके बनने से आस पास के गांव के लोगों को घर द्वार पर ही स्वस्थ्य की देखभाल के बारे में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि शेखावाटी भामाशाहों, शूरवीरों व दानवीरों की धरती रही है। उन्होंने भामाशाह परिवार की इस निर्णय के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए, भविष्य में भी इसी प्रकार के समाजहित के कार्य करते रहने का आह्वान भी किया।

उल्लखेनीय है कि गांव खुर्रमपुरा फुटाला में, चिकित्सा सुविधा के नाम पर पहला केवल उप स्वास्थ्य केन्द्र बनाया जा रहा है और इसके भवन के लिए गोपीनाथ जांगिड और सोनी देवी जांगिड की स्मृति में इनके सपुत्र रूड़मल, बद्रीप्रसाद, मूलचन्द, मदनलाल, प्रभुदयाल, बाबूलाल, कैलाश जांगिड आदि के द्वारा 70 लाख रुपए की लागत से इस उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण करवाया जा रहा है। प्रभुदयाल जांगिड ने बताया कि खुर्रमपुरा बावड़ी में सरकारी जमीन में इस उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण किया जा रहा है और इसमें 10 कमरों और लेब सहित 35 हजार वर्ग फीट में इस उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण किया जाएगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि समाज सेवा ही मानव का सबसे बड़ा धर्म है और इस उप स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों का ईलाज होगा और इसका पुण्य इस परिवार को भी मिलेगा। इसलिए कहा गया है कि **परहित सरिस धर्म नहिं भाई** और इस अवधारणा को आपके परिवार द्वारा मूर्त रूप देने का प्रयास किया गया है। मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह आप पर अपना अनवरत स्नेह और कृपा दृष्टि बनाए रखें और भविष्य में भी इसी प्रकार से पुण्य के कार्य करते हुए यश के भागी बनें।

कैलाश जांगिड, गांव खुर्रमपुरा फुटाला, श्रीमाधोपुर।

मकराना मे फागोत्सव व फूलडोल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विश्वकर्मा महिला मंडल मकराना द्वारा, विश्वकर्मा मंदिर मकराना के प्रांगण में 18 मार्च को फागोत्सव व फूलों की होली नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वकर्मा महिला मंडल, विश्वकर्मा मन्दिर मकराना की अध्यक्ष प्रेमलता डेरोलिया ने बताया कि इस भव्य और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर और परम्पराओं का द्योतक भागोत्सव के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन, महिलाओ में सांस्कृतिक चेतना जागृत करने और आने वाली पीढ़ियों को भारत की महान विरासत से परिचित करवाने के लिए ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

महिलाओं ने धमाल राग पर भजनों एवं नृत्य के माध्यम से आपस में जमकर गुलाल तथा फूलों से होली खेलने का भरपूर आंनद लिया, और **मेरे लाडले गणेश प्यारे प्यारे से हुआ, महिलाओ द्वारा हरे रंग मत डारे रे** तथा भगवान विश्वकर्मा की आलौकिक रुप का गीतों के माध्यम से बड़े ही मनोहारी ढंग से वर्णन किया गया और इसके साथ ही अनेक भजनो की प्रस्तुतियां भी दी गई।

इस कार्यक्रम के दौरान प्रेमलता डेरोलिया, मनभरी बोदलिया, संगीता बोदलिया, ममता सीलक, आनंदी रोहिलीवाल, बेबी रोहिलीवाल, लाली रोहिलीवाल, नैना जाला, उर्मिला धामू, चंदा जांगिड, इंद्रा डेरोलिया, सीता रोहिलीवाल, विमला जाला, अंजू जाला, मुन्नी रोहिलीवाल, सीमा बोदलिया, संजू रोहिलीवाल, उमा मान्धनीया, दीपा रोहिलीवाल, संतोष बोदलिया, मंजू शर्मा, गीता चोखड़ा, रतनी मालपनी, पलक रोहिलीवाल, पिंकी रोहिलीवाल सहित अनेक महिलाएं मौजूद रही, जिन्होंने ढोल और डफली की ताल में ताल मिलाते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

वेदप्रकाश जांगिड मकराना, 9460272814

मनमोहन खंडेलवाल को, हरियाणा प्रदेश सभा का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया

मनमोहन खण्डेलवाल को प्रदेश मिडिया प्रभारी का नियुक्ति पत्र सौंपते हुए, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के अन्तर्गत, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड ने झज्जर के वरिष्ठ पत्रकार मनमोहन खंडेलवाल को हरियाणा प्रदेश सभा का प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड ने मनमोहन खण्डेलवाल को यह जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि, मनमोहन खंडेलवाल का समाज के प्रति समर्पण भाव, कर्मठता व योग्यता को देखते हुए उन्हें प्रदेश मीडिया प्रभारी के महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। मनमोहन खण्डेलवाल का पत्रकारिता के क्षेत्र में 20 वर्षो से अधिक का लम्बा अनुभव है और वह इससे पहले प्रदेश सभा के, जिला झज्जर के सन् 2018 से सन् 2024 तक लगभग 6 वर्ष तक जिला झज्जर के जिला अध्यक्ष भी रहे हैं और उन्होंने हजारों समाज बंधुओं को महासभा के साथ जोड़ने का काम किया है। आशा है कि वह भविष्य में भी अपनी जिम्मेदारी को बड़ी ही सत्यनिष्ठा के साथ निभाते हुए एक कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

मीडिया प्रभारी नियुक्त किये जाने पर मनमोहन खंडेलवाल ने जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड और सम्पादक रामभगत शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि वह पहले की तरह ही प्रेस के माध्यम से समाज की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाने के साथ ही समाज को संगठित करने और समाज की प्रगति और उन्नति के लिए ईमानदारी से कार्य करेंगे। इस अवसर को सुशोभित करने वालों में राजेश जांगिड, दयाकिशन जांगिड, सोमबीर जांगिड शामिल रहे।

सम्पादक, रामभगत शर्मा

समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने की मूलभूत आवश्यकता है।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार ने त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी जिला अध्यक्षों का आह्वान किया कि वह अपने अपने जिलों में शिक्षा को बढ़ावा देने और विशेषकर लड़कियों की शिक्षा देने के लिए कोई कार्य योजना तैयार करें ताकि समाज का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सके। आधुनिक युग में शिक्षा के माध्यम से ही तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने यह उदगार 16 मार्च को, प्रदेश सभा भवन विद्यानगर जयपुर में आयोजित, प्रदेश सभा की त्रैमासिक बैठक और होली मिलन समारोह के अवसर पर उपस्थित समाज बंधुओं और मातृशक्ति को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए ।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समाज की उन्नति और तरक्की का एक ही मूल मंत्र है और इस दिशा में वांछित परिणाम तभी हासिल हो सकते हैं, जिस समय समाज के लोग प्रत्येक बच्चे को उच्च शिक्षा प्रदान करने का हर सम्भव भरसक प्रयास करेंगे और इसके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की सहायता करने के लिए हर सम्भव सहायता करने के साथ ही, कोचिंग की व्यवस्था, कैरियर काउंसलिंग, मोटिवेशनल सेमिनार इत्यादि की व्यवस्था करने के लिए सार्थक कदम उठाने होंगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रत्येक जिला स्तर पर शिक्षा प्रकोष्ठ की प्रस्तावना का भी प्रस्ताव रखा और इस प्रस्ताव का करतल ध्वनि से सभी ने स्वागत किया।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना करने के पश्चात् इस त्रैमासिक बैठक का आयोजन, प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार की अध्यक्षता में शुभारंभ किया गया और सर्वप्रथम महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले ने निर्धारित ऐजेण्डे के अनुरूप बैठक का शुभारंभ किया और बैठक की कार्यवाही को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया और सभी ने इसका करतल ध्वनि से अनुमोदन किया गया। मीटिंग के पश्चात, होली मिलन समारोह का रंगारंग भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्थानी लोक संस्कृति, धरोहर और परम्पराओं का भलीभांति निर्वहन करते हुए, संगीत लोक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनोहारी प्रस्तुति दी गई और इस मण्डली के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

मुख्य चुनाव अधिकारी, बसंत कुमार गेपाल ने, विभिन्न जिलों में हो रहे और होने वाले जिला अध्यक्षों के चुनाव के बारे में बैठक में विस्तृत जानकारी दी। प्रदेश कोषाध्यक्ष रमेश शर्मा ने इस त्रैमासिक बैठक में प्रदेश सभा की आय-व्यय का सम्पूर्ण ब्यौरा प्रस्तुत किया और इस आय-व्यय का भी सर्वसम्मति से उपस्थित महानुभावों द्वारा अनुमोदन किया गया। इसी प्रकार सभी जिला अध्यक्षों द्वारा भी अपने-अपने जिलों की प्रगति रिपोर्ट और आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया।

इस बैठक की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल, मुख्य संरक्षक, रामसहाय बगवाडा, कैलाश लोड़वाल, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष गजानंद जांगिड, मुख्य सलाहकार सुभाष जांगिड, मूलचंद लोवंडीवाल, सह कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार, वरिष्ठ मंत्री हर्ष जिठावा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, कार्यकारी महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती कंचन जांगिड, प्रदेश प्रवक्ता महेश जांगिड, कार्यालय मंत्री द्वारका प्रसाद, जिला प्रभारी हनुमान, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लखन शर्मा, पूर्व चुनाव प्रभारी नन्दलाल खंडेला, महासभा के पूर्व युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राहुल शर्मा, मिशन डेढ़ लाख प्रभारी रामजी लाल जांगिड, जीएसटी अधिकारी प्रेम चंद जांगिड, एडवोकेट बी.सी. रावत, जेपी शर्मा, सुरेन्द्र कासलीवाल, उद्योगपति पूरण झोटवाड़ा, दादी का फाटक के अध्यक्ष कैलाश शर्मा आर के, समाज के पत्रकार हरिराम दीप विश्वकर्मा और विश्वकर्मा टूडे के नरेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त सभी जिलों के अध्यक्ष भी शामिल थे।

मीटिंग का कुशल संचालन प्रदेश महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले ने किया।

महामंत्री, प्रदेशसभा, कैलाश शर्मा सालीवाले।

रींगस में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया

भगवान श्री कृष्ण के कलियुग में अवतार और करोड़ों लोगों की आस्था और विश्वास के प्रतीक, बाबा खाटू श्याम की नगरी रींगस में, भगवान विश्वकर्मा के मंदिर प्रांगण में आयोजित विश्वकर्मा मंदिर समिति रींगस के, शपथ ग्रहण समारोह को सम्बोधित करते हुए जिला सीकर के अध्यक्ष हरिनारायण ने कहा कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की एक स्मारिका का प्रकाशन करके समाज में वितरित की जाएगी, जिससे समाज में सामाजिक समरसता बढ़ने के साथ ही एक दूसरे से तादात्म्य स्थापित करके समाज को अग्रिम पंक्ति में ले जाने के प्रयास किए जा सकें और इस उद्घोषणा का सभी ने करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए हर सम्भव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

जिलाध्यक्ष ने रींगस में मातृशक्ति को सक्रिय और समाज के साथ जुड़ने के उद्देश्य से श्रीमती अनुपमा जांगिड को रींगस को महिला तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस फैसले के लिए सभी ने जिला सभा का आभार व्यक्त किया और जिला सभा सीकर के आह्वान पर 'समाज प्रथम' के मूल मंत्र को आत्मसात करने का संकल्प भी लिया।

इससे पहले जिलाध्यक्ष हरिनारायण जांगिड की अध्यक्षता में **होली स्नेह मिलन** का आयोजन भी किया गया, जिसमें समाज बंधु, मातृशक्ति एवं युवाशक्ति ने शामिल होकर फूलों की होली खेलते हुए एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं और बधाई दी और अंहम का परित्याग करके सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति रींगस की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें निर्विरोध नवनिर्वाचित अध्यक्ष मूलचंद जांगिड द्वारा मनोनीत पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर उनके पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। जिनमें मुख्यत: संरक्षक-हनुमान सरगोठ, उपाध्यक्ष- डी एन मोटर्स के मुकेश, मंत्री, दिनेश दायमा, कोषाध्यक्ष-मास्टर मुकेश, प्रचारमंत्री-मक्खन कोटड़ी एवं सात कार्यकारिणी के सदस्य भी शामिल हैं तथा इसके साथ ही 11 महिलाओ का महिला मोर्चा भी गठित किया गया है।

जिलासभा सीकर के महामंत्री राधेश्याम मांडण ने महासभा व जिलासभा सीकर द्वारा किये जा रहे प्रयास एवं कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि समाज में परिव्याप्त कुरितियों को शिक्षा के माध्यम से ही खत्म किया जा सकता है। समाज में शिक्षा के उत्थान के लिए महासभा भवन में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों को रहने की सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार जिलासभा सीकर द्वारा शिक्षा कोष का गठन कर 10 लाख रूपये की एफडीआर करवाई गई है, जिससे मिलने वाले वार्षिक ब्याज से बच्चों को छात्रवृत्ति एवं पारितोषिक देकर उच्च शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया जायेगा और इस शिक्षा कोष को बढ़ाकर 50 लाख की एफडीआर कराने का लक्ष्य रखा गया है। यह भी स्पष्ट किया गया कि इस राशि का उपयोग केवल और केवल शिक्षा के लिए ही किया जायेगा।

इसके साथ ही, जिलाध्यक्ष हरिनारायण जांगिड एवं वक्ताओं ने निवर्तमान मंदिर अध्यक्ष जगदीश सरगोठ के बेहतरीन कार्यकाल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और नव निर्वाचित अध्यक्ष मूलचंद सहित समस्त कार्यकारिणी को भी शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर सीकर से सीताराम मुंडवाड़ा, प्रहलाद दूजोद, नीमकाथाना से चौथमल झड़ाया, रामकरण जांगिड, घनश्याम जांगिड के अलावा मोतीराम, बाबूलाल, मोहनलाल, चौथमल, राजेंद्र सहित सैकड़ो बंधु उपस्थित रहे। मातृशक्ति की उपस्थिति भी शानदार रही।

महामंत्री, जिला सभा सीकर, राधेश्याम मांडण।

महिला दिवस, महिलाओं को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यत्र नारी पूजन्ते तत्र देवता वसन्ते

इन्दौर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

हमारे वेदों और पुराणों तथा शास्त्रों में महिलाओं को अर्धांगिनी का सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है और बदलते हुए इस परिवेश में भी महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और बुद्धिमता के बल पर प्रत्येक क्षेत्र में न केवल पुरुषों की बराबरी की है अपितु, महिलाओं ने नए-नए कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं। अभी हाल ही में भारत मूल की अमेरिकी महिला अन्तरिक्ष परी, सुनीता विलियम्स ने अन्तरिक्ष 283 दिन रहकर, नए-नए रहस्यों की खोज करके एक कीर्तिमान स्थापित किया है। महिला दिवस पर उस महान विभूति को अभिनन्दन और लाख-लाख बधाईयां। इसी क्रम में इन्दौर की नारी शक्ति ने, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व को रेखांकित करने और महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से महिलाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश के तत्वावधान में जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत तोपखाना मन्दिर में मनाया गया और इस अवसर पर कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें फायरलैस कुकिंग प्रतियोगिता, आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता के साथ साथ गुलाल और फूलों से होली का उत्सव मनाकर भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने का स्तुत्य प्रयास किया गया। और विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का श्रीगणेश भगवान श्री विश्वकर्मा जी को पुष्प व पुष्पमाला अर्पित करके आरती और पूजा अर्चना के साथ किया गया। मध्यप्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा श्रीमती निर्मला मंडावाले ने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, महिलाओं के सशक्तिकरण की पृष्ठभूमि तैयार करने में मददगार साबित हो रहा है और आज महिलाओं में जो आत्मविश्वास की भावना बलवती हो रही है और वह प्रत्येक क्षेत्र में न केवल पुरुषों की बराबरी कर रही हैं अपितु कई क्षेत्रों में ने नए-नए कीर्तिमान स्थापित हों रहे है। महिला प्रकोष्ठ इन्दौर की जिलाअध्यक्षा श्रीमती सुनीता शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान तथा उपलब्धियों को पहचान दिलाने के लिए यह हर वर्ष मनाया जाता है। इस बात को नकारा नहीं जा सकता की आज समाज में महिलाओं का योगदान पुरुषों के बराबर ही नही बल्कि वे पुरुषों से भी आगे निकल गयी हैं समाज व परिवार एवं राष्ट्र को आगे बढ़ाने के साथ सुसंस्कृत करने में भी महिलाओं की भूमिका अहंम है, महिला प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश, प्रत्येक क्षेत्र में समाज की महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार से करता रहेगा।

कु. साक्षी ने कहा कि आज का दिन, विशेषकर महिलाओं के लिए है और महिलाओं का आह्वान किया कि वह जीवन में अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए अपने बच्चों को संस्कार प्रदान करें और उन्हें धार्मिक ज्ञान के बारे में जानकारी देने के साथ ही उन्हें देश की उन्नति में भागीदार बनाने का प्रयास करें और इसके साथ ही, समाज के आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों की यथासंभव सहायता करने का संकल्प लें।

किरण शर्मा, इन्दौर।

श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी, पहाड़गंज के चुनाव 15 जून को होगें।

श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी पहाड़गंज, के मुख्य चुनाव अधिकारी रामावतार शर्मा ने बताया कि विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज कमेटी के चुनाव वर्ष 2025-28 के लिए करवाने के लिए 17 अप्रैल को अधिसूचना जारी कर दी गई है और इस अधिसूचना के अनुसार 30 अप्रैल तक सदस्यता ग्रहण और 4 से 7 मई तक मन्दिर कार्यालय में मतदाता सूची का अवलोकन और त्रुटि सुधार तथा 14 मई को अन्तिम मतदाता सूची जारी। **इसी प्रकार 1 जून को प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक, पहाड़गंज मन्दिर कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल और जांच तथा नाम वापसी और अन्तिम प्रत्याशियों की सूची जारी और 'यदि आवश्यक हुआ तो 15 जून 2025 को मतदान, पहाड़गंज मन्दिर के प्रांगण में प्रातः 11 बजे से सांय 4 बजे तक करवाया जाएगा'।**

मुख्य चुनाव अधिकारी ने श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज समिति से जुड़े सदस्यों से अपील की है कि **वह इस चुनाव को निष्पक्ष और लोकतांत्रिक ढंग से करवाने में अपना भरसक सहयोग प्रदान करें।**

मुख्य चुनाव अधिकारी,
श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी पहाड़गंज, दिल्ली।

चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद करौली, टोंक, भरतपुर,अलवर

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा करौली, टोंक भरतपुर, अलवर का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। अतः चुनाव करवाए जाने अपेक्षित है। इन जिलों के चुनाव के लिए प्रदेश सभा, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी बसन्त कुमार जांगिड ने करौली, टोंक भरतपुर, अलवर जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना के अन्तर्गत करौली, टोंक, भरतपुर, अलवर जिलों का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा :-

क्रं.स.	जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि	चुनाव अधिकारी
1	**करौली**	18 अप्रैल 2025(शुक्रवार)	04 मई 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा भवन टोडाभीम, करौली	18 मई 2025(रविवार)	श्री कमलकिशोर गोठडीवाल-9414524982
2	**टोंक**	25 अप्रैल 2025 (शुक्रवार)	11 मई 2025 (रविवार)	श्री विश्वकर्मा मंदिर, टोंक	25 मई 2025 (रविवार)	श्री ओमप्रकाश बरड़वा-9829125351
3	**भरतपुर**	1 मई 2025 (गुरूवार)	18 मई 2025(रविवार)	जांगिड छात्रावास, मथुरा बाईपास, भरतपुर	1 जून 2025 (रविवार)	श्री महेशचन्द जोपालिया-9252039157
4	**अलवर**	15 मई 2025 (गुरूवार)	01 जून 2025 (रविवार)	बालिका छात्रावास हनुमान सर्कल, अलवर	15 जून 2025 (रविवार)	श्री ब्रह्मदेव शर्मा-9783694225

राजस्थान प्रदेश के जिलाध्यक्ष पदों के चुनाव महासभा संविधान की अनुपालना में महासभा द्वारा पारित एवं अनुमोदित ''चुनाव निर्देशिका-2024'' के अनुसार सम्पन्न कराये जायेंगे

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी,मो-9680010591

मां की भावनाओं को कविता के माध्यम से मूर्त रूप दिया गया है।

शीर्षक-मेरी माँ (मेरी गुरु)

मां ही मेरी, सबसे पहली गुरु है जिसने मुझे बचपन में चलना सिखाया।
मां ही वह देवी है जिसने, मुझे बचपन में, बोलना और चलना सिखाया।।
मां ने मुझे खड़ा होना, और बड़ों के सामने विनम्रता से झुकना सिखाया ।
मां ने ही गलती के विरुद्ध आवाज उठाना, और दर्द बाँटना भी, सिखाया।।

मां ने हर तहजीब, संस्कार सिखाए, माँ ने ही समाज का आईना दिखाया ।
मां ने मुझे दूसरों का मान और माँ ने ही मुझे अपना घर बसाना सिखाया।।
मां ने ही मुझे रिश्तों को निभाना और माँ ने ही, पैसों को बचाना सिखाया।
मां ने ठोकरों से सम्भलना और मुश्किलों का सामना करना भी सिखाया।।

मां तू मेरी पहली गुरु है, जिसकी चरण वंदना, करके हर रोज सुख पाती हूं।
मां की ममता, कृपा के आगे, मैं सहज रूप से ही, नतमस्तक हो जाती हूं।।
मां के आंचल और मां की ममता का मोल नहीं, यही है एक मां की कहानी।
मां निःस्वार्थ सेवा भाव की प्रतिमूर्ति है, एक मां के ह्रदय की यही है कहानी।।

आंचल में दूध, आंखों में पानी, वेदनाओं को सहन कर लिखती एक कहानी।
मां ने मुझे जिन्दगी दी, उस जिन्दगी देने वाली की लिखती हूं एक कहानी।।
मां मेरी इच्छा है कि, मैं आपकी इच्छाओं का हनन नही करना चाहती हूं।
मां आप जो चाहती है, उसे मैं हर हालत में हमेशा पूरा करना चाहती हूं।।

मां, जन्म देने वाली, उस मां के नाम को, सदैव ही जीवित रखना चाहती हूं।
मां, मैं अरमानों का गला नहीं घोटना नहीं चाहती, मैं जिंदा रखना चाहती हूं।।
मां खुशी के वह पल हमेशा तरोताजा ही रहें, आपने जब से मेरे लिए देखे हैं।
मां को खुशी से जीने का अधिकार देना, यही सपने मैंने मां के लिए देखें हैं।।

लेकिन मुझे, गर्व की अनभूति और खुशी तब मिलेगी, जो मैं चाहती हूं।
मां मैं, पुत्री होने का सदा फर्ज निभा पाऊँ, यही मैं हमेशा ही चाहती हूं।।
मां जो मेरे फर्ज, इच्छाएं हैं, उनका मैं सदैव ही पालन करना चाहती हूं।
मां मेरी इच्छा मर भी गई तो भी, मैं, अस्तित्व बचा के रखना चाहती हूं।।

कवयित्री माया शर्मा, अजमेर।

जागिड ब्राह्मण महासभा द्वारा युवाओं का भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए सहयोगी की भूमिका निभाने का आह्वान

बड़ौत में 6 अप्रैल को उत्तर प्रदेश सभा के बुद्धिजीवियों की बैठक हुई

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के मार्गदर्शन में, उत्तर प्रदेश में युवाओं को नशाखोरी और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूक करने के लिए प्रदेश में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद के बड़ौत में, 6 अप्रैल को, प्रदेश सभा जुड़े महानुभावों की एक बैठक का आयोजन किया गया था और इस बैठक का मुख्य उद्देश्य, जांगिड और विश्वकर्मा समाज के उन युवाओं को जागृत करना है, जिनके अभिभावक, महासभा से जुड़े हुए हैं, ऐसे युवाओं को नशाखोरी से दूर रखने, पढ़-लिखकर सुयोग्य बनने तथा सामाजिक बुराइयों से बचने और बिना दहेज के विवाह करने की प्रेरणा देने के लिए ही प्रदेश सभा द्वारा एक अभियान चलाया जाएगा और महासभा से जुड़े सम्मानित सदस्य इस महायज्ञ में अपना भरपूर सहयोग और समर्थन देंगे और महसभा परिवार के सदस्य, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सहयोगी की भूमिका भी निभाएंगे।

इस बैठक का आयोजन, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा जनपद बागपत के बड़ौत में, रमेश चन्द शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई और बैठक की अध्यक्षता मेजर जयपाल द्वारा की गई। इस बैठक का संचालन राकेश कुमार विश्वकर्मा ने किया। इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि घर-घर जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा और इसके साथ ही समाज के लोगो की, जनगणना करने पर भी गम्भीरता पूर्वक विचार किया गया, क्योंकि लोकतंत्र में संख्या बल ही सबसे बड़ी ताकत है।

इस बैठक में समाज की छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के प्रति आकर्षित करने के लिए अभिभावकों का आह्वान भी किया गया कि वह स्वयं भूखे पेट रहकर भी, अपने बच्चों को बेहतर संस्कार और उच्च शिक्षा प्रदान करवाने का प्रयास करें, क्योंकि समाज का उज्ज्वल भविष्य देश के इन भावी कर्णधारों पर ही निर्भर करता है।

इस बैठक में, विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नेता, नगर पालिका परिषद के पूर्व सभासद राकेश विश्वकर्मा ने कहा कि, हम सब लोगों को एकजुट होकर गांव-गांव में जाकर अपनी युवा शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना होगा, क्योंकि आज हमारा जांगिड समाज विभिन्न कारणों से पिछड़ता जा रहा है और इसके राजनीति सहित अन्य अनेक कारण हैं और यह लडाई संगठन के बल पर ही जीती जा सकती है । उन्होंने युवाओं का आह्वान किया और कहा, युवा वर्ग आपसी भेदभाव भूलाकर समाज की एकजुटता और समृद्धि के लिए आगे आएं, क्योंकि युवा शक्ति ही देश का उज्ज्वल भविष्य है।

इस कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, मुख्य रूप से मंगल सैन सुरेश प्रधान, सोमदत राजन जांगिड, जयकुमार, मास्टर पवन कुमार, रमेश चन्द देशपाल और कंवरपाल शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश, अध्यक्ष,
अशोक कुमार शर्मा

प्रधान रामपाल शर्मा ने 30 मार्च को ब्यावर में श्री राम होटल का उद्घाटन किया।

आज से चैत्र के नवरात्रों का शुभारंभ हो रहा। है और आज ही भगवान श्रीराम के नाम पर बनाए गए इस होटल श्रीराम का शुभांरभ भी महासभा प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा अपने कर कमलों से रिबन काटकर किया गया है। होटल का विधिवत रूप से उद्घाटन करने के पश्चात् प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि आज से ही शक्ति और भक्ति का प्रतीक आदिशक्ति मां जगदम्बा के विभिन्न देवियों की पूजा के रूप में, नवरात्रों का शुभारंभ हो रहा है और इस पुनीत अवसर पर मैं, शक्ति का प्रतीक सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाली देवी मां दुर्गा के विभिन्न 9 रूपों की बधाई देने के साथ ही 6 अप्रैल को रामनवमी की भी सभी को बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधान ने कहा कि आज इस श्रीराम होटल का मुहूर्त किया गया है और इस खुशी के मौके पर मैं, पुष्कर नारायण शर्मा और उसके परिवार को अन्त:करण से बधाई देता हूं कि आपने ब्यावर जैसे पिछड़े इलाके में यह होटल खोलकर, आसपास के लोगों के लिए, अपने बच्चों की शादी और विवाह करने के लिए और अन्य सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए, बहुत ही बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाने का स्तुत्य प्रयास किया गया है और वह भी सस्ते दामों पर। इस होटल के श्री गणेश के साथ ही इस होटल में सस्ते दामों पर जो भरपूर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी उसके लिए पाटोदिया परिवार और विशेषकर इस होटल के मालिक पुष्कर नारायण शर्मा, विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं।

प्रधान ने कहा कि पूरे होटल की क्वालिटी, इंटीरियर और साज-सज्जा का कार्य बड़े ही मनोरम और बेहतरीन ढंग से किया गया है। उन्होंने कहा कि इस इंटीरियर डिजाइन में भगवान विश्वकर्मा द्वारा इस समाज को विरासत में दी गई शिल्पकला का ज्ञान स्पष्ट रूप से ही परिलक्षित हो रहा है। क्योंकि इंटीरियर जगत में आज इस समाज का, विश्व में परचम लहरा रहा है। इस समाज के बच्चे जन्म से ही इंजीनियर पैदा होते हैं और मुझे इस बात की खुशी महसूस हो रही है कि भगवान विश्वकर्मा की संतान अपने पराक्रम और मेहनत के बल पर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर पाटोदिया परिवार, द्वारा प्रधान रामपाल शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार, महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश टाइगर व ब्यावर जिला अध्यक्ष ब्रह्मदेव शर्मा का माला सॉफा पहनाकर और तिलक लगाकर भावभीना स्वागत किया गया।

इस श्रीराम होटल का अवलोकन करने के पश्चात् महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल ने कहा कि यह होटल उद्योगपति, पुष्कर नारायण पाटोदिया के सपनों का होटल है और इसके निर्माण में विशेष रूप से पूर्ण साज-सज्जा के साथ-साथ डीलक्स और सुपर डीलक्स, स्पेशल सूट रुम और बैंन्केवेट हाल का निर्माण भी आगुंतकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ही किया गया है और इसके लिए पुष्कर नारायण शर्मा बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सुझाव दिया और पुष्कर नारायण शर्मा से आग्रह भी किया कि, इस होटल में समाज के लोगों ठहरने पर कुछ प्रतिशत राशि की छूट दिए जाने का प्रावधान किया जाना चाहिए।

महासभा के अनेक पदाधिकारियों सहित, सभी अतिथियों ने पुष्कर नारायण को बधाई और शुभकामनाएं दी और सभी ने होटल के इंटीरियर डिजाइन की की भूरि-भूरि प्रशंसा भी की। इस शुभ अवसर पर पाटोदिया परिवार को बधाई देने वालों में, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार, विश्वकर्मा ऐजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश टाईगर व ब्यावर जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव शर्मा भी शामिल सहित महासभा और प्रदेशसभा कार्यकारिणी के सदस्य शामिल थे।

महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, अजमेर।

राजस्थान के राज्यपाल ने सोनल जांगिड के शादी समारोह में पहुंच कर आशीर्वाद दिया।

सोनल जांगिड के शादी समारोह में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पहुंचकर आशीर्वाद दिया।

राजस्थान के राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ बागडे मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थानी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता और फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बैस्ट एक्टर का पुरस्कार हासिल कर चुके, फिल्म अभिनेता राज जांगिड की सुपुत्री सोनल जांगिड के विवाह के पुनीत अवसर पर जयपुर में नवदम्पत्ति को आशीर्वाद देने पहुंचे। राज्यपाल ने नव दम्पति को आशीर्वाद देते हुए कहा कि **हिन्दू धर्म में विवाह का शाब्दिक अर्थ है। विवाह - वि+वाह, जिसका शाब्दिक अर्थ है, विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना और यह वैवाहिक बन्धन और उत्तरदायित्व केवल एक दिन का नहीं है, अपितु जन्म-जन्मांतरों का संबंध है और विवाह को पाणिग्रहण संस्कार भी कहा जाता हैं।** इसका अर्थ है कि मैंने तुम्हारा हाथ थामा है और कामना करता हूं कि हमारा यह अटूट बंधन इसी प्रकार से भगवान की अनुकम्पा से सदैव ही सुखद और मंगलमय बना रहे।

चेतन और सोनल जांगिड के विवाह की पावन बेला में, पाणिग्रहण संस्कार वैदिक संस्कारो के अनुरूप हुआ और इस मंगल कार्य में वैवाहिक रीति-रिवाज, प्रेम अपनत्व और त्याग की भावना की अभिव्यक्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। **यह अटूट विश्वास और भरोसा ही गृहस्थ जीवन का प्रमुख सम्बल है और उदात्त भावना का द्योतक और परिचायक है** राज्यपाल ने कहा कि बेटी की शादी जीवन का सबसे बड़ा सुखद का पल होता है और आज राज जांगिड इस पल का अहसास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चेतन और सोनल के दांपत्य जीवन को भगवान, पुण्य, प्रेम और समृद्धि से सींचें। मैं परमपिता ब्रह्म, भगवान विष्णु और महादेव से प्रार्थना करता हूँ कि नवविवाहित दम्पति का यह नया जीवन मंगलमय हो, सुखमय हो, और उनके वैवाहिक सुख, स्नेह और सौभाग्य की अविरल धारा बहती रहे।

इंटीरियर जगत के बादशाह, गौ सेवी, डॉ. शंकर कुलरिया ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि **विधि विधान पूर्वक और रीति रिवाज तथा रस्मों के बीच नवदम्पत्ति ने एक दूसरे का जो हाथ थामा है और एक दूसरे को जो वचन दिए हैं उनके पालन करते हुए जीवन के विभिन्न पड़ाव और मुश्किल चुनौतियों के समय एक दूसरे का मार्गदर्शन करते हुए हौसला बढ़ाने के साथ ही अपने कर्त्तव्य बोध को हमेशा याद रखेंगे और यही सुख में जीवन का मूल आधार है।** इस शादी समारोह में कई उद्योगजगत, राजनीति से जुड़े नेतागण अधिकारीगण, बॉलीवुड, रॉयलवुड से जुड़ी अनेक हस्तियां भी वर-वधू को आशीर्वाद देने पहुंचे व चेतन और सोनल को उनकी जीवन की नई शुरुआत के लिए शुभ मंगल कामनाएं भी दी।

इस अवसर देश के प्रसिद्ध भामाशाह उद्योगपति इंटिरियर जगत की शख्सियत गौसेवी, धर्मचंद कुलरिया, राजस्थान के पूर्व मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पुखराज पाराशर, राजस्थान प्रांत के आरएसएस प्रमुख निम्बाराम, आईएएस डॉ. समित शर्मा और डॉ जोगाराम जांगिड, शर्मा ग्रुप वर्ल्ड वाइड के डायरेक्टर शिवबिहारी शर्मा, राजबिहारी शर्मा, राज्यपाल के प्रधान ओएसडी राजकुमार सागर, भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी दिनेश कुमार, सारंग, उप पुलिस अधीक्षक सुखदेव जांगिड,

प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम पंवार, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल, राकेश जांगिड युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, संत श्री सुखदेव महाराज, महामंडलेश्वर सिद्धेश्वरी देवी महाराज, कृषि अधिकारी राजेशकुमार जांगिड, डॉ. श्रीनिवास जांगिड, उप पुलिस अधीक्षक, पन्नालाल जांगिड, फिल्म अभिनेत्री शिखा पारीख, अभिनेत्री उषा जैन, फिल्म लेखक-निर्देशक रमेश मोदी, फिल्म अभिनेता अमर शर्मा, अभिनेता दीपेन्दर सिंह, फिल्म निर्देशक कुमार आचार्य, राजेन्द्रपुरी गोस्वामी, लेखक रिजवान ऐजाज़ी, फिल्म निर्माता-निर्देशक और राजेन्द्र, एस्ट्रोलोजर दमयंती जांगिड, फिल्म वितरक शत्रुघ्न पारीक, हरिराम राजोरा सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकार, प्रमुख उद्योगपतियों के साथ कई राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों एवं समाजसेवियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई ।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने भी नवदम्पत्ति को शुभाशीष देते हुए उनके सुखद और उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है।

राज जांगिड, फिल्म अभिनेता।

भगवान परशुराम जयंती की अनन्त हार्दिक शुभकामनाएं।

भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का, छठा अवतार माना गया है। निर्बल की रक्षा करने वाले शक्ति और पराक्रम के अद्वितीय उदाहरण और भगवान शिव के धनुष की रक्षा करने वाले, अपने असीम शौर्य व तपोबल से अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले, भगवान परशुराम की 29 अप्रैल को मनाई जाने वाली जयंती के अवसर महासभा परिवार को लाख-लाख बधाई ।

भगवान परशुराम जी का जन्म अक्षय तृतीया को भृगु वंश में ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। उन्होंने धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए ही इस धरा पर अवतार लिया था, आओ हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि भगवान परशुराम जी के दिखलाए गए रास्ते पर चलते हुए ही समाज में अन्याय करने वाले व्यक्तियों का विरोध करते हुए, धर्म की स्थापना करने में अपना भरपूर योगदान दे, तभी मानव जीवन सार्थक होगा।

रामनवमी और नवरात्रों की महासभा रुपी परिवार को बधाई।

सारे देश में 6 अप्रैल को भगवान रामलला, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव, रामनवमी के दिन मनाया गया। इस दिन भगवान श्रीराम अयोध्या में अवतरित हुए थे, इसीलिए इस दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मदिवस भी मनाया जाता है। त्याग, तपस्या और समर्पण तथा संकल्प तथा सहृदयता के प्रतीक भगवान श्रीराम का जीवन सभी प्रकार के आदर्श मूल्यों से परिपूर्ण है।

भगवान श्रीराम ने अपनी लीला के माध्यम से राक्षसों को पृथ्वी से विहिन करने तथा उच्च मानवीय मूल्य स्थापित करने के लिए ही अवतार ग्रहण किया था। उच्च आदर्श मूल्यों के संवाहक और सत्य तथा सहृदयता के प्रतीक, भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र के बारे में, जिस दिन यह अज्ञानी प्राणी समझ लेता है, तो उसी दिन से उसको भगवान श्रीराम की अनन्त अनुकम्पा का अहसास होना शुरू हो जाता है। **भगवान शिव भी कहते हैं कि मेरे आराध्य देव भगवान श्रीराम हैं और भगवान श्रीराम कहते हैं कि मेरे आराध्य देव भगवान शिव शंकर हैं और दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं।**

मैं इस पुनीत अवसर पर भगवान श्रीराम से विनम्र प्रार्थना है कि वह महासभा रुपी परिवार के सदस्यों पर अपनी अनुकम्पा सदैव ही इसी प्रकार से बनाए रखे। ऐसी मेरी मनस्कामना है।

।।जय श्री राम।।

प्रधान रामपाल शर्मा। **महांमत्री, सांवरमल जांगिड**

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

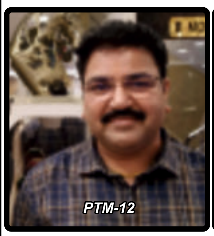

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

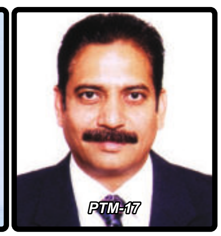

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

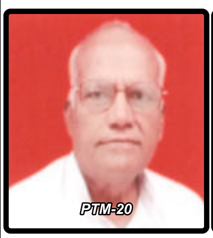

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

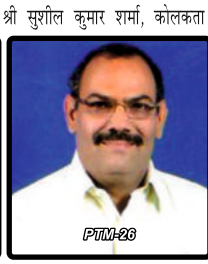

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

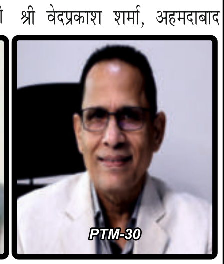

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

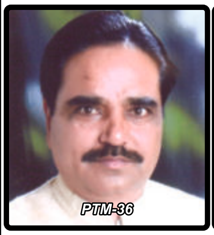

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

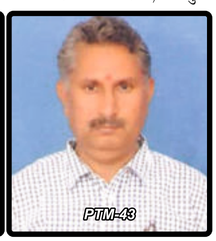

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

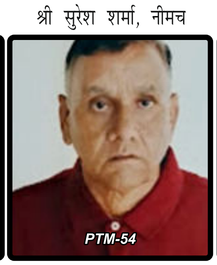

श्री गजानन जांगिड, जालना

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री फूलकुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

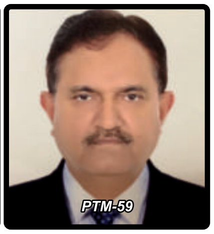

श्री अमराराम जांगिड, जोधपुर

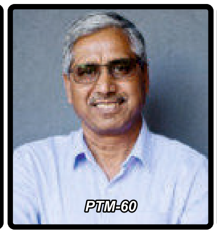

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दत्तु राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

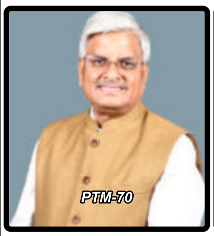

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

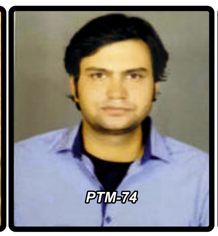

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

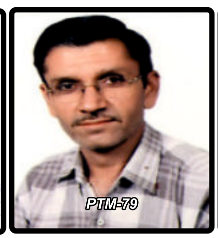

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

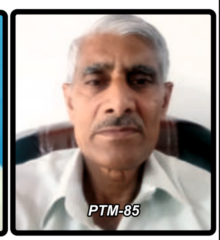

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

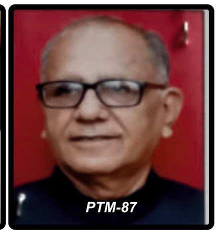

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

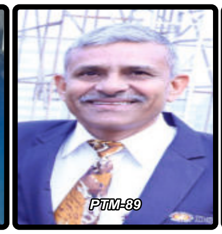

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

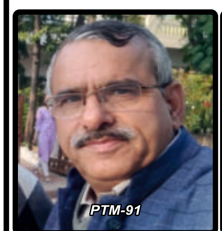

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीरप्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम भद्रेचा, बंगलौर

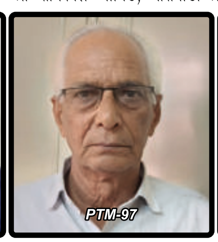

श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

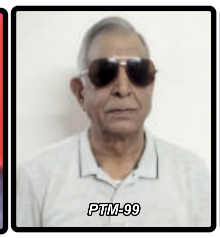

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

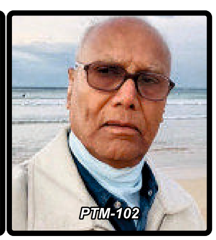

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

श्री सत्यपाल वर्त्स, बहादुरगढ़

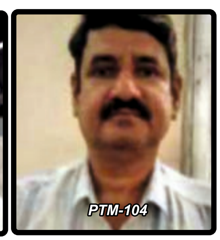

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

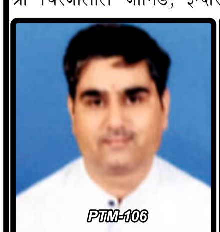

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

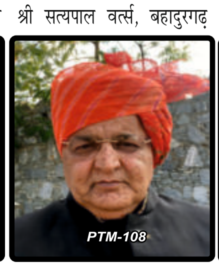

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

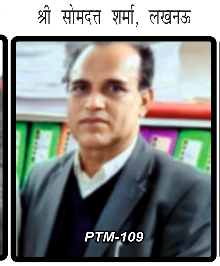

श्री जगदीश खण्डेलवाल, दिल्ली

श्री भंवरलाल शर्मा, पाली,राज0

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री प्रहलाद चन्द शर्मा, बैंगलुरू

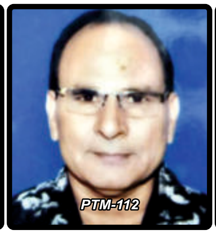

श्री नानूराम जांगिड, हिंगोली,

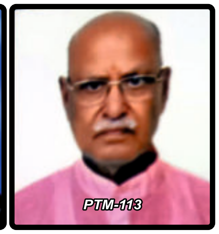

श्री रामानन्द शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री कैलाश जांगिड, सूरत

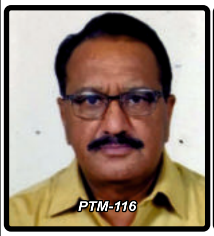

श्री मदन लाल शर्मा, वडोदरा

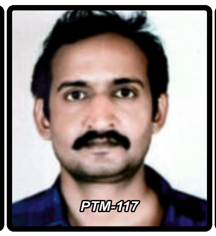

श्री गजानन्द जांगिड, सूरत

श्री हरिराम शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री सतवीर शर्मा, गुरूग्राम

श्री किशोरी लाल शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री सुनील सिद्धड़, चिड़ावा, झुंझुनू

श्री सुरेश कुमार जांगिड, नजफगढ़

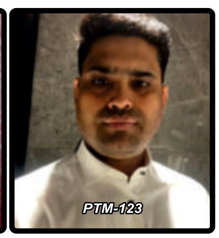

श्री मोहन पंवार, सागरपुर दिल्ली

श्री रामावतार जांगिड, सरदारशहर, चूरू

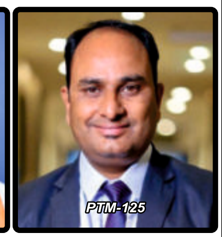

श्री राजील कुमार जांगिड, सूरत

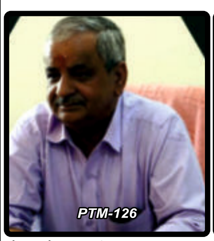

श्री सादीराम जांगिड, हनुमानगढ़,रा0

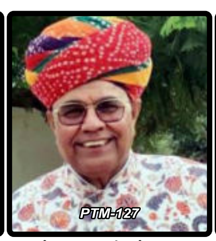

श्री मामराज मिस्त्री, सूरत

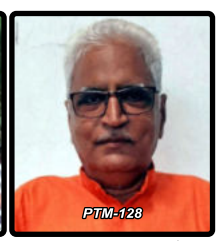

श्री सागरमल जांगिड, वडोदरा

श्री सुनील कुमार जांगिड, महाराष्ट्र

श्री महेश कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री किशन लाल जांगिड, जयपुर

श्री एकलिंग प्रसाद सुथार, सूरत

श्री राजेश जांगिड, हैदराबाद

श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद

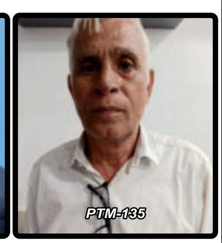

श्री रामवतार शर्मा,तिरूवल्लुर,तमिलनाडू

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री सतीश कुमार जांगिड,(किशनगढ़ बास)वलसाड

श्री शंकरलाल माकड़, हैदराबाद

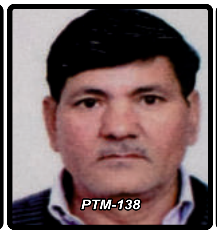

श्री महेश चन्द शर्मा, साध नगर, दिल्ली

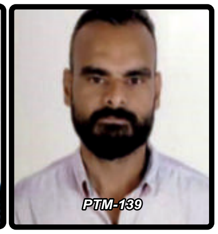

श्री राकेश जांगिड, सूरत

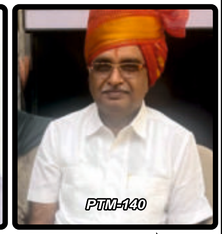

श्री देवकरण जांगिड, हैदराबाद

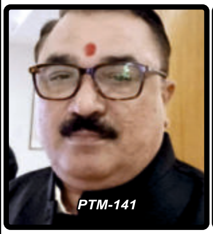

श्री सुभाष शर्मा, भरूच

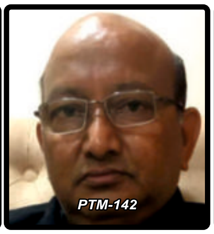

श्री महेश शर्मा, बैंगलुरू

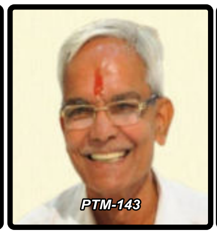

श्री चंद्र प्रकाश शर्मा, गांधीधाम,कच्छ

श्री सतवीर जांगिड, बैंगलुरू

श्री महेन्द्र सिंह जांगिड, धारूहेड़ा रेवाड़ी

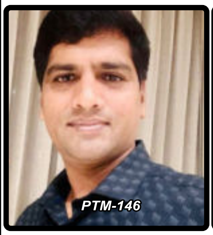

श्री पूरनमल जांगिड, सूरत

स्वर्गीय श्री नरेश शर्मा, भरूच

श्री बंशीधर जांगिड, भरूच

श्री मुकेश कुमार जांगिड, हिम्मतनगर

श्री गोपाल जांगिड, गांधी नगर

श्री राजेन्द्र कुमार डभाण, खेड़ा

श्री ओम प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री अरूण कुमार डभाण, खेड़ा

श्री कैलाश चंद्र शर्मा, डभाण, खेड़ा

श्री मदन लाल सुथार, भरूच

श्री महेन्द्र जांगिड, भरूच

श्री कन्हैया लाल, (ओजटू वाले) बैंगलुरू

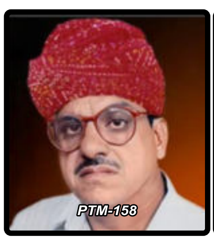

श्री शंकरलाल जांगिड, झुंझुनूं

श्रीमती उषा बरड़वा धर्मपत्नी श्री आनन्द बरड़वा, कोटा राज0

श्री देवेन्द्र शर्मा, उदयपुर, राजस्थान

महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य

श्री मदनलाल जांगिड
जोधपुर

श्री मुरारी लाल शर्मा
अहमदाबाद

श्री राजतिलक जांगिड
गुड़गांव

श्री मनोज कु.जांगिड
अहमदाबाद

श्री सुरेश कु.जांगिड
इन्दौर

श्री घनश्याम कडवानिया
इन्दौर

श्री बंशीलाल शर्मा
इन्दौर

श्री सीताराम जांगिड
नागपुर

श्री बंशीलाल शर्मा
जयपुर

श्रीमती शारदा शर्मा
दिल्ली

श्री सांवरमल जांगिड
गोवा

श्री रमेशचन्द्र शर्मा
इन्दौर

श्रीमती सुमित्रा देवी जांगिड
अहमदाबाद

श्री मोतीराम जांगिड
रींगस-सीकर

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

श्री प्रेमाराम जांगिड
अहमदाबाद,

श्री महेन्द्र जांगिड (पंवार)
इन्दौर

महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य

पं. भीम सिंह , दिल्ली

पं. किशनराम शर्मा, नागपुर

पं. राजेश शर्मा, अहमदाबाद

पं. विजय शर्मा, जोधपुर

पं. भंवरलाल जांगिड, नागपुर

पं. ईश्वर दत्त जांगडा, दिल्ली

पं. रघुनाथ जांगिड, नागपुर

पं. सत्यनारायण जांगिड, नागपुर

पं. बृजमोहन जांगिड, नागपुर

श्रीमती शान्ति शर्मा, कोटा

पं. चौथमल जांगिड, रींगस

पं. महेश जे. मोखा, नागपुर

श्री रामदयाल जांगिड, दुर्ग

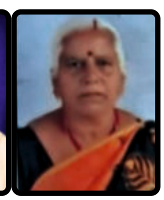
श्रीमती लीलावती शर्मा, नीमच

श्री निकुंज शर्मा, लखनऊ

जीवन में सफलता के लिए
सत्य को सुनना, समझना, और
सत्य बोलना भी जरूरी है

श्रीमती निति रसीवाल, लखनऊ

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला (इन्दौर) पूर्व प्रधान महासभा 1,31,00,000/-

श्री रामपाल शर्मा (बेंगलुरू) प्रधान महासभा 1,25,00,000/-

श्री भंवर लाल कुलरिया मुम्बई, 31,00,000/-

श्री मीता राम जांगिड मै.सुमित वुड वर्क्स लि. (मुम्बई) 21,00,000/-

श्री पी.एल. शास्त्री, (गुरूग्राम) 13,51,551

श्री कांति प्रसाद जांगिड (टाईगर) (दिल्ली) 11,51,151/-

श्री लादूराम सिद्धड, (संगम विहार, दिल्ली) 11,51,000/-

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच एवं श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली 11,50,500/-

श्री भंवरलाल गुगरिया (बेंगलुरू) 11,01,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड (बेंगलुरू) 11,01,000/-

श्री रविशंकर शर्मा, (जयपुर), पूर्व प्रधान महासभा 11,00,000/—

श्री सीताराम शर्मा (बैंगलोर) 11,00,000/-

श्री एकलिंग प्रसाद जांगिड सूरत, महासभा भवन हेतु ग्रेनाइट सहित 11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली (सीकर, राजस्थान वाले), 11,00,000/—

श्री लक्ष्मण जांगिड (मुम्बई) 11,00,000/—

श्री कैलाश चन्द जांगिड आया नगर, दिल्ली 11,00,000

श्री मदन लाल जांगिड (कानपुरा वाले)द्वारका दिल्ली 11,00,000

श्री लीलूराम शर्मा चेयरमैन,जा.ब्रा.शिरोमणी सभा,दिल्ली 7,50,000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स(पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा) एवं श्री दिनेश कुमार वत्स, दिल्ली 5,55,551/-

श्री अनिल कुमार जांगिड, आया नगर, दिल्ली 5,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री अमरा राम जांगिड
जोधपुर, अंतरराष्ट्रीय
प्रकोष्ठ, 5,51,000/-

श्री मधुसूदन आमेरिया,
(जयपुर)
5,11,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा
(अहमदाबाद)
5,00,111/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
5,00,000/-

श्री रमेश शर्मा
बेंगलुरू
5,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड
सूरत
5,00,000/-

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड,
दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड,
सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

जांगिड वेलफेयर सोसायटी
यमुना विहार दिल्ली
5,00,000/-

श्री सुरेश शर्मा
सावेर रोड, इन्दौर
5,00,000

श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(मंडावाले)इन्दौर
5,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड
(हिंगोली)
5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

राजस्थान प्रदेशसभा
5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा
(चित्तौडगढ)
5,00,000/-

श्री नवीन जांगिड
(जयपुर)
5,00,000/-

श्री एम.डी.शर्मा
जोधपुर
5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड(बरनेला)
(जोधपुर)
5,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
(मीरा रोड, भायन्दर)
5,00,000/-

श्री फूल कुमार शर्मा
(पूजा भट्टा वाले),सोनीपत,हरि.
5,00,000

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
सूरत
4,25,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड, धारूहेड़ा, रेवाड़ी
3,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा
बेंगलुरू
3,02,000

डॉ. शेरसिंह जांगिड
गुड़गांव,(पूर्व.प्र.अ.हरि.)
2,62,111/-

श्री सोमदत्त शर्मा नांगलोई
पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली
2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा
(पूर्व जिला प्रमुख, करौली)
दिल्ली 2,51,151/-

श्री अभय शर्मा
रामगंज, अजमेर
2,51,051/-

श्री रवि जांगिड
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

श्रीमती सावित्री शर्मा
धर्मपत्नी श्री बाबूलाल
(बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली
(प्रधान शिरोमणी सभा)
2,51,000/-

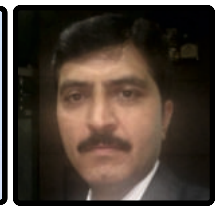
श्री अशोक जांगडा
(नजफगढ़, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा
(रोहिणी, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री नीरज शर्मा
हरि नगर, दिल्ली
2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड,
मुम्बई
2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा
(मुम्बई),
2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड
(मुम्बई),
2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड
(भाईदर,वेस्ट,मुम्बई)
2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड
(जयपुर),
2,51,000/-

श्री सुभाष (बोरवेल वाले)
(जयपुर)
2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा
(नदबई),
2,51,000/-

श्री बनवारी लाल
खंडेलसर (सीकर),
2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामकरण शर्मा
(फरीदाबाद)
2,51,000/-

श्री ठेकचन्द शर्मा,
फरीदाबाद (हरि.)
2,51,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा देवास,
(मध्य प्रदेश)
2,50,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड
(नांदेड)
2,50,000/-

श्री जगदीश प्रसाद जांगिड
बदरपुर दिल्ली
2,50,000/-

श्री लक्ष्मी नारायण जांगिड
गुडगांव
2,22,222/-

श्री प्रभुदयाल बरनेला
इन्दौर, मध्य प्रदेश
2,21,101/-

श्री बाबूलाल शर्मा
(अहमदाबाद)
2,01,000/-

श्री संजय शर्मा हर्षवाल
(जयपुर)
2,00,000/-

जिलासभा
बाड़मेर
2,00,000/-

श्री जगन्नाथ जांगिड,
बावल-रेवाडी
1,72,000/-

श्री खुशीराम जांगिड
धारूहेडा-रेवाड़ी
1,72,000/-

श्री चांदमल बालुराम जांगिड
सूरत, राजलोता
1,61,000/-

श्री चौथमल जांगिड
सौरभ विहार, दिल्ली
प्रधान कार्यालय फर्नीचर, 1,61,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा
दिल्ली
1,53,000/-

श्री शिव चन्द्र,
अटेली मण्डी, नारनौल,
महेन्द्रगढ 1,51,555/-

श्री सत्यपाल वत्स,
(बहादुरगढ़)
1,51,251/-

श्री बाबू लाल शर्मा
(इन्दौर, मध्य प्रदेश)
1,51,151/-

श्री देवी सिंह ठेकेदार
करावल नगर
1,51,111/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,001/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री विजय शर्मा
शामली
1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा
(शामली)
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया
बेंगलूरू
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड
(गुजरात)
1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश एवं
गुरूदत्त शर्मा
(गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा
(वापी, गुजरात)
1,51,000/-

श्री दुलीचन्द जांगिड
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

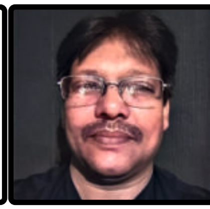
श्री देवेन्द्र गौतम,
उत्तम नगर (दिल्ली)
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा
(द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा
यमुना विहार, दिल्ली
1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा
रानी खेड़ा, दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड
ठाणे, मुम्बई
1,51,000/-

श्री नानूराम जांगिड
धुलिया
1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड
(नागपुर)
1,51,000/-

श्री मोहनलाल दायमा
नासिक,
1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

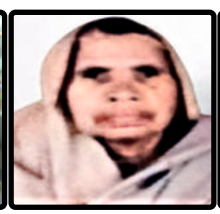
श्रीमती ब्रहमो देवी धर्मपत्नी
श्री नत्थूराम शर्मा,
बहादुरगढ़, 1,51,000/-

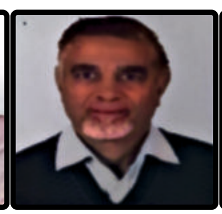
डॉ. मोतीलाल शर्मा
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा
(जी.ओ.जी.मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

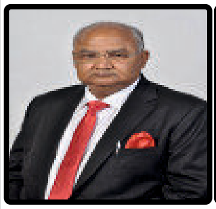
श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरीश एवं
नरेश दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री जवाहरलाल जांगिड,
उज्जैन (मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड
(पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा
गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्रीमती उर्मिला जांगिड
पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण
जांगिड, गुरूग्राम
1,51,000

श्रीमती सुषमा, धर्मपत्नी
श्री किशोर कुमार जांगिड
बहादुरगढ 1,51,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड
हिसार
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री राधेयाम पालडिया
बोपल, अहमदाबाद, गुजरात
1,51,000/-

श्री प्रबोध कुमार जांगिड
उत्तम नगर, दिल्ली
1,51,000/-

स्व.श्री नेमीचन्द शर्मा
गांधीधाम, 1,51,000/-
पूर्व प्रधान महासभा

श्री तेजस लुंजा
बेंगलूरू
1,50,000/-

जिलासभा
पुणे
1,50,000/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

श्री रोहिताश जांगिड
(औरंगाबाद, महा0)
1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

श्री जटाशंकर शर्मा
(दमण, वापी)
1,11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री संजीव कुमार
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज सेवा समिति
सोजत, पाली
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुलढाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

शाखासभा
उत्तम नगर
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगिड
(द्वारका, दिल्ली)
1,11,000/-

श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी
स्व. श्री कृष्ण कु बिजेनिया
(द्वारका मोड, दिल्ली)
1,11,000/-

शाखासभा
नजफगढ़
1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

जांगिड ब्राह्मण कल्याणकारी समिति
श्याम विहार, दिल्ली
1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड
(मुम्बई)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड एवं
श्री हरीशंकर जांगिड,
(जयपुर) 1,11,000/-

श्री महासिंह जांगडा
नांगलोई, दिल्ली
1,11,000

श्री ओम नारायण शर्मा,
साहिबाबाद
1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड
(रोहतक)
1,02,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री राहुल जांगिड
पूठ खुर्द
1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा
समालखा (पानीपत)
1,01,111/-

श्री सुनील कुमार जांगिड
मयुर विहार, दिल्ली
1,01,101/-

श्री अतरसिंह काला
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,101/-

श्री बृजमोहन जांगिड
(नागपुर)
1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल
जांगिड (नागपुर)
1,01,101/-

श्री चंपा लाल शर्मा
(बुलढाणा)
1,01,100/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड
(बड़ौत, उ.प्र.)
1,01,000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा
(प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड)
1,01,000/-

सीए अनिल कुमार शर्मा
आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह आर्य
कोंडली-पूर्वी दिल्ली
1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज
ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री
1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा
ज्योति कालोनी
दिल्ली 1,01,000/-

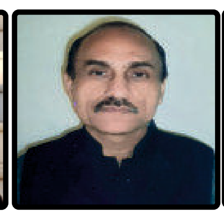
श्री सत्यनारायण शर्मा
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा
(मै.कमल प्रिंटर्स)
दिल्ली 1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड
श्याम विहार, दिल्ली
1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड
(दिल्ली)
1,01000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड,
मन्दसौर (म.प्र.)
1,01,000/-

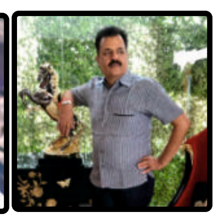
श्री अशोक कमार शर्मा
(औरंगाबाद)
1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड
गोरेगांव, (मुम्बई)
1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गणेशमल सुथार राजलदेसर चुरू, 1,01,000/-

श्री रविन्द्र कुमार जांगिड (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड जयपुर, 1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा फालना, 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड धर्मपत्नी श्री प्रदीप कुमार सोनीपत 1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड (सोनीपत) 1,01,000/-

श्रीमती सुशीला शर्मा W/o श्री लखीचन्द शर्मा कुण्डली, सोनीपत,1,01,000/-

श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल, रामगंज, अजमेर 1,00,121/-

श्रीमती सुमित्रा देवी ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व प्रधान म. 1,00,111/-

श्री मंगलसैन शर्मा (बड़ौत, उत्तर प्रदेश 1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग (छत्तीसगढ़) 1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा (छतीसगढ़) 1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा (दिल्ली) 1,00,000/-

जांगिड यूथ संगम विहार, दिल्ली 1,00,000/-

जिलासभा, रायपुर 1,00,000/-

श्री सोमदत्त जांगिड (नांगलोई, दिल्ली) 1,00,000/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा सागरपुर दिल्ली, 1,00,001/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रमेश चंद शर्मा (इंदौर) 1,00,000/-

श्री सूरजमल मिस्त्री (मुम्बई, महा0) 1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड (हिंगोली) 1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल (अजमेर) 1,00,000/-

श्री पूरनचन्द एवं ओम प्रकाश शर्मा, नीमराना, 1,00,000/-

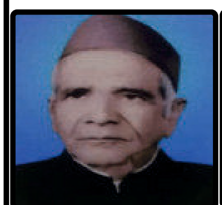
श्री गंगा राम जांगिड (जयपुर) 1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री विजय शर्मा (ताबड़ू) 1,00,000/-

श्री प्रेम कुमार जांगिड करड वाले, GST (सीकर) 1,00,000/-

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education -B.Tech, MBA,Job-Private, **Gotra :** Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

2. Wanted a suitable bride for our son Kshitiz Sharma, born on 26 Aug 1992 (5.06 PM) at Bombay, height 5'7", fair complexion, standard build, pure vegetarian, non smoking, non drinker, B.Tech (Instrumentation & Controls, VIT Pune), self employed from home (Lucknow) at NSE/BSE. Family Details -Siblings : one unmarried younger brother, Father : Retired Central Government Officer (MoD), Mother : Homemaker. **Gotra** - Mother : Aghmarshan, Nani : Bhardwaj, Father :Gautam, Dadi : Vats Contact - 9403285301 (Mother), 9403285310 (Father)

3. Wanted a suitable bride for our son Shardul Sharma, born on 04 Jan 1994 (09.55 AM) at Bombay, height 5'8", fair complexion, standard build, pure vegetarian, non smoking, non drinker, Dip in Civil Engg (DY Patil Institute, Pune), International/Fair Play Arbiter at Delhi Chess Association and proprietor of M/s VKS INFRA (Registered with MES). Family Details -Siblings : one unmarried elder brother, Father : Retired Central Government Officer (MoD), Mother : Homemaker, **Gotra** - Mother : Aghmarshan , Nani : Bhardwaj , Father : Gautam, Dadi : Vats, Contact- 9403285301 (Mother), 9403285310 (Father)

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

क्र.सं.	दानराशि	नाम/पिता का नाम/पति का नाम	स्थान
01	76000.00	श्री हेम राज जांगिड सुपुत्र श्री प्रभुदयाल जांगिड	कोटपुतली-जयपुर, राज०
02	71000.00	श्री रविंदर कुमार शर्मा सुपुत्र श्री राम सिंह	आईपी एक्सटेंशन, दिल्ली
03	71000.00	श्री लीला राम जांगिड सुपुत्र श्री श्रीराम शर्मा	बहरोड़-अलवर, राजस्थान
04	52100.00	श्री ब्रह्म दत्त शर्मा सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद	गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
05	51521.00	श्री रामेश्वर दास सुपुत्र श्री राम किशन	बहादुरगढ़, हरियाणा
06	51251.00	श्री रमेश जांगडा सुपुत्र श्री हमीर सिंह	कोटला विहार, दिल्ली
07	51151.00	श्री सिलक राम जांगडा सुपुत्र श्री मंगल राम जांगड़ा	नांगलोई, दिल्ली
08	51151.00	श्री कृष्ण चन्द्र जांगड़ा सुपुत्र श्री गुरदयाल जांगड़ा	सिलाना-झज्जर, हरियाणा
09	51151.00	श्री रण सिंह जांगड़ा सुपुत्र श्री शिव लाल जांगड़ा	सिलाना-झज्जर, हरियाणा
10	51151.00	श्री सुनील सिंह सुपुत्र श्री मुख्तियार सिंह जांगिड	फरीदाबाद, हरियाणा
11	51151.00	श्री महेन्द्र कुमार आर्य सुपुत्र श्री सूरज भान	महेन्द्रगढ़, हरियाणा
12	51111.00	श्री भोपाल सिंह शर्मा सुपुत्र श्री मनफूल जांगिड	आईपी एक्सटेंशन, दिल्ली
13	51111.00	श्री ब्रह्म दत्त शर्मा सुपुत्र श्री अमर सिंह शर्मा	नांगलोई, दिल्ली
14	51111.00	श्री कृष्ण खंडेलवाल सुपुत्र श्री सुधन राम	गोहाना-सोनीपत,हरियाणा
15	51100.00	श्री शैतान मल शर्मा सुपुत्र श्री जगन्नाथ शर्मा	इंदौर, मध्य प्रदेश
16	51100.00	श्री वेद प्रकाश जांगिड सुपुत्र श्री फतेह सिंह	सोनीपत, हरियाणा
17	51000.00	श्री हरपाल शर्मा सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द शर्मा जी	मेरठ, उत्तर प्रदेश
18	51000.00	श्री मुकेश शर्मा सुपुत्र श्री ब्रह्म सिंह	मोदी नगर, उत्तर प्रदेश
19	51000.00	प्रदेश सभा उत्तराखंड	हरिद्वार, उत्तराखंड
20	51000.00	श्री सवाईराम जांगिड सुपुत्र श्री भीयाँराम (डेचु-जोधपुर)	बेंगलुरु, कर्नाटक
21	51000.00	श्री महावीर जांगिड सुपुत्र श्री पालाराम जी जांगिड	अहमदाबाद, गुजरात
22	51000.00	श्री सूरज मल बरनेला सुपुत्र श्री केशर मल बरनेला	दुर्ग, छत्तीसगढ़
23	51000.00	श्री विनोद कुमार शर्मा सुपत्र श्री रुड़ाराम	रायपुर, छत्तीसगढ़
24	51000.00	श्री महेंद्र कुमार जांगिड सुपुत्र श्री बाबूलाल,झुंझुनूं	हैदराबाद, तेलंगाना
25	51000.00	श्री प्रमोद कुमार जांगिड सुपुत्र श्री राजकुमार जांगिड	हैदराबाद, तेलंगाना
26	51000.00	श्री राजेश एवं निर्मल जांगिड सुपुत्र श्री सत्यनारायण जांगिड	हैदराबाद, तेलंगाना
27	51000.00	श्री विनोद कुमार जांगिड सुपुत्र श्री झाबरमल	हैदराबाद, तेलंगाना
28	51000.00	श्री विनोद कुमार जांगिड सुपुत्र श्री मुरलीधर	हैदराबाद, तेलंगाना
29	51000.00	श्री जग शोरन सिंह	अशोक नगर, दिल्ली
30	51000.00	श्री विजय दत्त शर्मा सुपुत्र श्री शिव राज शर्मा	आईपी एक्सटेंशन,दिल्ली
31	51000.00	शाखा सभा इंद्रा पार्क	इंद्रा पार्क, दिल्ली
32	51000.00	श्री अशोक कुमार जांगिड सुपुत्र श्री राम पाल	खिचड़ीपुर, दिल्ली
33	51000.00	शाखा सभा तुलसी नगर	त्रि नगर, दिल्ली
34	51000.00	सोनिया शर्मा	द्वारका, दिल्ली
35	51000.00	श्री हीरा लाल शर्मा सुपुत्र श्री प्रभाती लाल	नजफगढ़, दिल्ली
36	51000.00	श्री कृष्ण कुमार आशौदा सुपुत्र श्री हरिचन्द जांगिड	नजफगढ़, दिल्ली
37	51000.00	श्री जगबीर सिंह जांगड़ा	नांगलोई, दिल्ली
38	51000.00	श्री राजेन्द्र सिंह जांगिड सुपुत्र श्री राम प्रसाद	नांगलोई, दिल्ली
39	51000.00	श्री रोहिताश जांगिड सुपुत्र श्री प्रताप सिंह	नांगलोई, दिल्ली
40	51000.00	शाखा सभा पपरावट	पपरावट, दिल्ली
41	51000.00	श्री थान चंद सुपुत्र श्री रमलेश जांगिड	रोहिणी,दिल्ली
42	51000.00	श्री संजय शर्मा सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह	रोहिणी,दिल्ली

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

क्र.सं.	दानराशि	नाम/पिता का नाम/पति का नाम	स्थान
43	51000.00	श्री नारायण दत्त (साड़ी वाले) सुपुत्र श्री पूरन लाल जांगिड	लक्ष्मी नगर, दिल्ली
44	51000.00	श्रीमति शकुंतला देवी	समयपुर, दिल्ली
45	51000.00	श्री ओम प्रकाश जांगिड सुपुत्र श्री थावर राम	साध नगर, दिल्ली
46	51000.00	श्री बंशीलाल चिचोलिया सुपुत्र श्री पालीराम	इंदौर, मध्य प्रदेश
47	51000.00	श्रीमति मधु शर्मा सुपुत्री श्री दुलीचंद शर्मा	इंदौर, मध्य प्रदेश
48	51000.00	श्री सत्य नारायण शर्मा सुपुत्र श्री मोहन लाल जांगिड	इंदौर, मध्य प्रदेश
49	51000.00	श्री बलराम जांगिड (सिलक)सुपुत्र श्री मुन्शीलाल जांगिड	हरदा, मध्य प्रदेश
50	51000.00	श्री हरलाल जांगिड सुपुत्र श्री भगवाना राम जांगिड	मीरा रोड-भायंदर,महाराष्ट्र
51	51000.00	श्री गोपाल जांगिड सुपुत्र श्री गंगाधार जांगिड	नागपुर, महाराष्ट्र
52	51000.00	श्री इंद्र चंद शर्मा सुपुत्र श्री मुरलीधर	नागपुर, महाराष्ट्र
53	51000.00	श्री श्रीराम जांगिड सुपुत्र श्री मालीराम जांगिड	नागपुर, महाराष्ट्र
54	51000.00	श्री सीताराम जांगिड सुपुत्र श्री सोहन लाल जांगिड	नागपुर, महाराष्ट्र
55	51000.00	जांगिड ब्राह्मण सेवा समिति	नासिक, महाराष्ट्र
56	51111.00	श्री बाबू लाल जांगिड सुपुत्र श्री केशर देव जांगिड	मुंबई, महाराष्ट्र
57	51100.00	श्री दयानंद सुपुत्र श्री रामकुमार जांगिड	मुंबई, महाराष्ट्र
58	51100.00	श्री गणेशराम सुपुत्र श्री मुखराम जांगिड	मुंबई, महाराष्ट्र
59	51000.00	श्री ओम प्रकाश शर्मा सुपुत्र श्री जगन राम शर्मा	मुंबई, महाराष्ट्र
60	51000.00	श्री प्रहलाद कुमार जांगिड सुपुत्र श्री भंवर लाल जांगिड	मीरा रोड-भायंदर,महाराष्ट्र
61	51000.00	श्री प्रहलाद राय शर्मा सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा	खार-मुंबई, महाराष्ट्र
62	51000.00	श्री राजेन्द्र कुमार जांगिड सुपुत्र श्री रामेश्वर लाल जांगिड	भायंदर-मुंबई, महाराष्ट्र
63	51000.00	श्री रमेश जांगिड (ग्रामीण) सुपुत्र श्री केशर देव जांगिड	भायंदर-मुंबई, महाराष्ट्र
64	51000.00	श्री सांवरमल सुपुत्र श्री रामगोपाल जांगिड	कांदिवली-मुंबई,महाराष्ट्र
65	51000.00	श्री सुरेन्द्र जांगिड सुपुत्र श्री डेडा राम जांगिड	भायंदर-मुंबई, महाराष्ट्र
66	51000.00	श्री कैलाश चन्द लोईवाल सुपुत्र श्री माली राम जांगिड	बगरू-जयपुर, राजस्थान
67	51000.00	श्री अशोक जांगिड सुपुत्र श्री मुला राम जांगिड	सोजत -पाली, राजस्थान
68	51000.00	श्री अजीत सिंह जांगड़ा सुपुत्र श्री प्यारे लाल जांगड़ा	सिलानी गेट-झज्जर, हरि०
69	51000.00	श्रीमती रजवन देवी धर्मपत्नी श्री खेता राम जांगिड	छारदड़ा-बहरोड , राज०
70	51000.00	श्री अजीत सिंह जांगड़ा सुपुत्र श्री राम किशन	बहादुरगढ़, हरियाणा
71	51000.00	श्री राजबीर जांगड़ा सुपुत्र श्री मामचन्द जांगड़ा	सोनीपत, हरियाणा
72	51000.00	श्री सुभाष जांगिड सुपुत्र श्री जगन नाथ (बरसिंहपुरा वाले)	जयपुर, राजस्थान
73	51000.00	श्री प्रहलाद राय जांगिड सुपुत्र श्री भैरू लाल जांगिड	दूजोद-सीकर ,राजस्थान
74	51000.00	श्री रोहिताश चन्द शर्मा सुपुत्र श्री भानी सहाय	पालम कालोनी, दिल्ली
75	51000.00	श्री रमेश खरनालिया सुपुत्र किशनलाल खरनालिया	औरंगाबाद, महाराष्ट्र
76	51000.00	श्री मुकेश कुमार जांगिड सुपुत्र श्री अर्जुन सिंह	शामली-उत्तर प्रदेश
77	51000.00	श्री राधेश्याम जांगिड सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह	शामली-उत्तर प्रदेश
78	51000.00	श्री सुबोध शर्मा सुपुत्र श्री राम पाल	खिचड़ीपुर-दिल्ली
79	51000.00	श्री निशिकांत शर्मा सुपुत्र श्री बजरंगलाल शर्मा	मुम्बई-महाराष्ट्र

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सतीश शर्मा, द्वारका, दिल्ली
5,11,000/-

राजस्थान के 6 जिलों के चुनाव सम्पन्न

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा राजस्थान के अन्तर्गत 6 जिला अध्यक्षों के चुनाव सम्पन्न हुए है, जिनमें से उदयपुर, राजसमंद, बारां, डीडवाना कुचामन, हनुमानगढ़ जिलों के चुनाव निर्विरोध निर्वाचन एवं भीलवाड़ा जिले का चुनाव गुप्त मतदान प्रक्रिया से सम्पन्न हुआ है। इन सभी जिलों की चुनाव प्रक्रिया कमल किशोर गोठड़ीवाल, महेशचन्द जोपालिया, जगदीशचन्द कंवलेचा, ब्रह्मदेव शर्मा, मोहनलाल लदौया, ओमप्रकाश बरड़वा एवं सुनील माकड़ के निर्देशन में सम्पन्न हुई।

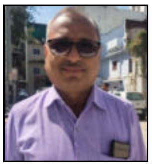

श्री दिनेश(बाबूलाल सुथार)
जिलाध्यक्ष-राजसमंद
मोबाईल न.- 9867989069

श्री महावीर प्रसाद जांगिड
जिलाध्यक्ष-डीडवाना, कुचामन
मोबाईल न.- 9610662283

श्री चम्पा लाल सुथार
जिलाध्यक्ष-हनुमानगढ़
मोबाईल न.- 9784597254

श्री राजेन्द्र कुमार जांगिड
जिलाध्यक्ष-बारां
मोबाईल न.- 9875037057

श्री नारायण लाल शर्मा
जिलाध्यक्ष-उदयपुर
मोबाईल न.- 9414156756

श्री महावीर सुथार
जिलाध्यक्ष-भीलवाड़ा
मोबाईल न.- 9414113161

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी,मो-9680010591

श्रद्धांजलि - सुमन

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि समाज के जाने-माने समाजसेवी भामाशाह एवं पूर्व अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर श्री बनवारी लाल जी खंडेलसर की माताजी श्रीमती श्याना देवी जांगिड धर्मपत्नी श्रीमान गणपतराम जांगिड (खोखा) निवासी खण्डेलसर का देहावसान दिनांक 10 अप्रैल 2025 प्रात: हो गया है।

श्रीमती श्याना देवी परिवार में बनवारी लाल खण्डेलसर, अशोक कुमार खण्डेलसर -पुत्र, नंदकिशोर, जगदीश, महेश कुमार, सुरेश कुमार, श्यामलाल, मोनू, सुरेन्द्र कुमार जांगिड एवं समस्त जांगिड (खोखा) परिवार खण्डेलसर (राणौली-सीकर) सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर गई है।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली तथा जिला सभा सीकर परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती हैं कि दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दे और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

।।ॐशान्ति, ॐशान्ति, ॐशान्ति।।

हरिनारायण जांगिड, जिलाध्यक्ष
एवं समस्त कार्यकारिणी जिला सभा सीकर

जांगिड समाज के कर्मठ समाजसेवी

सादर श्रद्धांजलि सुमन

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि महासभा के प्लेटीनम सदस्य-102-श्रीमान राजेन्द्र कुमार शर्मा जी के दिनांक 04/04/2025 को अचानक ब्रह्मलीन होकर देवलोक गमन होने की दुःखद घटना के बारे में जानकर हृदय को अपार दुःखद एवं पीड़ा की अनुभूति हुई।

समाज के भामाशाह जिंदादिल तथा सामाजिक कार्यों में सदैव तत्पर रहने वाले श्री राजेन्द्र कुमार जी बड़े ही सहज, सरल, मृदुभाषी, मिलनसार एवं सबको साथ लेकर चलने वाले व्यक्तित्व के धनी थे तथा उनकी समाज सेवा एवं समाज उत्थान के प्रति समर्पण की भावना को सदैव ही याद रखा जायेगा। इनके स्वर्ग लोकगमन से आपके परिवार को ही नहीं अपितु समस्त जांगिड समाज को भी अपूर्णीय क्षति पहुँची हैं।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली तथा उनकी समस्त अधिनस्थ संस्थाएं भी परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती हैं कि स्वर्गीय राजेन्द्र कुमार शर्मा की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

।।ॐशान्ति, ॐशान्ति, ॐशान्ति।।

सांवरमल जांगिड
महामंत्री, महासभा

कैलाश चन्द्र शर्मा (जांगिड)
प्रदेशअध्यक्ष गुजरात-प्रदेशसभा

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

25
YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA
HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at:L.P.C. DELHI
R.M.S., Delhi-06

Total Page-64

Registered With The Registrar of
News Papers For INDIA,
Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26
of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 April 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

प्रेषक
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)